दैनिक साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -255 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, बुधवार, 9 सितंबर, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

संक्षिप्त

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से ब्लैक मनी एक्ट के खिलाफ

- अनिल अंबानी की याचिका बॉम्बे हाईकोर्ट से ट्रांसफर करने की अपील की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उद्योगपति अनिल अंबानी की बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर उस याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की है। इसमें ब्लैक मनी (अनडिस्क्लोज्ड फॉरेन इनकम एंड एसेट्स) एंड इंपोजिशन ऑफ टैक्स एक्ट, 2015

को चुनौती दी गई है। यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी मोहना की बेंच के सामने आया। केंद्र के वकील ने जोर देकर कहा कि इन मामलों के पेंडिंग रहने से रेवेन्यू पर बहुत बड़ा असर पड़ता है। साथ ही कहा कि 2026 में बॉम्बेहाई कोर्ट ने एक्ट के तहत अनिल अंबानी के खिलाफ जबरदस्ती की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। केंद्र के वकील ने जोर देकर कहा कि इसी तरह की पिटीशन दूसरे हाईकोर्ट में भी पेंडिंग हैं। बेंच को बताया गया कि दिल्ली हाईकोर्ट में एक दर्जन से ज्यादा मामले पेंडिंग हैं और सुनवाई के लिए तैयार हैं। बेंच ने केंद्र से पूछा कि दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर क्यों मांगा जा रहा है, और कहा, 'हमें एक हाईकोर्ट को दूसरे पर क्यों तरजीह देनी चाहिए?'

पुलिस हिरासत में एक युवक की कथित मौत को लेकर तनाव

- स्थानीय लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

बिष्णुपुर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर के बकराहाट इलाके में मंगलवार को पुलिस हिरासत में एक युवक की कथित मौत से तनाव फैल गया। मृतक की पहचान जयचंदी गांव के रहने वाले पालन रे के रूप में हुई है। पीड़ित के परिवार वालों का आरोप है कि, पालन रे की मौत हिरासत में टार्चर और पुलिस की लापरवाही की वजह से हुई है।

परिवार वालों के इस आरोप के बाद इलाके में तनाव

फैल गया। लोगों ने बखराहाट पुलिस चौकी के सामने विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने बखराहाट-ठाकुरपुकुर रोड को जाम कर दिया, जिससे भारी ट्रैफिक जाम हो गया।

स्थानीय सूत्रों ने बताया कि पालन रे का बिजॉय सिंह के साथ सड़क बनाने के काम को लेकर झगड़ा हुआ था। पड़ोसियों का दावा है कि वह सोमवार को एक स्थानीय भाजपा नेता के पास उनके घर के सामने सड़क बनाने के बारे में पूछने गए थे। वहां, पीड़ित पालन रे ने सिंह के साथ बहस शुरू कर दी और उन्हें मुक्का मारा। सिंह की शिकायत के आधार पर, पालन रे को हिरासत में लिया गया और बखराहाट पुलिस चौकी ले जाया गया।

निवेशकों को देंगे आवश्यकतानुसार नीतियों में छूट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- मध्यप्रदेश उद्योग क्षेत्र में आशाओं और असीम अवसरों की धरती
- 900 कानूनों को समाप्त कर उद्योग और व्यापार व्यवसाय क्षेत्र को बनाया सुगम और सरल

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए 2700 से अधिक नियमों और लगभग 900 कानूनों को समाप्त कर उद्योग और व्यापार-व्यवसाय क्षेत्र को सरल, सुगम बनाने का प्रयास किया है। इस कदम से उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। निर्धारित नीतियों के अंतर्गत और आवश्यकता होने पर निवेशकों को नीतियों में आवश्यक छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को दुबई में 'इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश' को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कार्य पद्धति के आधार पर दुनियाभर में रहने वाला भारतीय समुदाय आज स्वयं को

गौरवान्वित महसूस करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते राज्य को विकास के नए आयाम दिए। अब उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया हमारी अर्थव्यवस्था की शक्ति देख रही है। दुबई वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र माना जाता है। यूएई से अफ्रीका और एशिया के साथ यूरोप में व्यापार होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश दुनिया का इकलौता राज्य है, जहां हीरे और स्वर्ण भंडार मौजूद है। अफ्रीका के बाद मध्यप्रदेश एक मात्र धरती है, जहां कटनी और सिंगरौली में सोने की खदान मिली है। मध्यप्रदेश में माइनिंग क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। निवेशक यहां आएं और अपने व्यापार-व्यवसाय के राज्य को समृद्ध बनाएं। होटल व्यवसाय शुरू करने पर मध्यप्रदेश सरकार 30 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी उपलब्ध करवा रही है। दुनिया की सबसे सस्ती बिजली 2.17 पैसे प्रति यूनिट बिजली मध्यप्रदेश उपलब्ध करवा रहा है। हमारी सरकार ग्रीन एनर्जी को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आशाओं और असीम संभावनाओं की धरती है। नवाचार, विकास और साझा समृद्धि की सोच हमें जोड़ती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को जीआईएस-2027 का निमंत्रण देते हुए कहा कि देश की सबसे अच्छी एविएशन पॉलिसी मध्यप्रदेश में है। मध्यप्रदेश से यूएई और अबुधाबी के लिए सीधी एयर कनेक्टिविटी हो गई है। हमारी सरकार प्रति फ्लाइट वीजीएफ भी दे रही है। अगले महीने प्रदेश से शारजाह से भी उड़ान सेवा शुरू की जाएगी।

पीएम मोदी ने नवसारी में एआई से लैस

आधुनिक भाजपा जिला कार्यालय 'नमो कमलम' का उद्घाटन किया

- पीएम बनने के बाद यह उनके हाथों किसी जिला-स्तरीय भाजपा कार्यालय का पहला उद्घाटन है

नवसारी (गुजरात)(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (8 सितंबर 2026) को गुजरात के नवसारी में भाजपा के नए और आधुनिक जिला कार्यालय 'नमो कमलम' का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनके हाथों किसी जिला-स्तरीय भाजपा कार्यालय का पहला उद्घाटन है। समारोह काबिलपोर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे आयोजित हुआ, जहां नया भवन करीब 40,000 वर्ग फुट में बना है। इसकी लागत 10 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है।

नवसारी सांसद और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने दिसंबर 2024 में इस कार्यालय का शिलान्यास किया था। पार्टी का पुराना 'कमलम' कार्यालय संगठन के विस्तार और कार्यकर्ताओं की बढ़ती संख्या के कारण छोटा पड़ गया था।

'नमो कमलम' को हाई-टेक कार्यालय के रूप में तैयार किया गया है। इसमें एआई आधारित सिस्टम, हाई-स्पीड इंटरनेट, बड़ा ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस हॉल और पदाधिकारियों, अधिकारियों व आने वाले नेताओं के लिए अलग केबिन हैं। शहर के अंदर ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए कार्यालय हाईवे किनारे बनाया गया। उद्घाटन स्थल के पास बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति के लिए व्यवस्था भी की गई। प्रधानमंत्री के दौरे से पहले जिले के सैकड़ों गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। पार्टी का कहना है कि नया कार्यालय केवल भवन नहीं, बल्कि जिला संगठन को नई गति देने वाला केंद्र बनेगा।

पीएम मोदी ने वडोदरा में 35,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया

वडोदरा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वडोदरा में 35,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के अलग-अलग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की नींव रखी, उनका उद्घाटन किया और उन्हें समर्पित किया। 'नमो फॉर विकसित भारत' इवेंट में मौजूद भीड़ ने उनका जोरदार स्वागत किया। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तीन जरूरी सेक्शन, जो 326 रूट किलोमीटर को कवर करते हैं, 20,700 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से डेवलप किए गए हैं। इनमें न्यू सानंद-न्यू मकरपुरा, न्यू उंबरगांव-न्यू सफले और न्यू सफले- न्यू जेएनपीटी सेक्शन शामिल हैं। जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी की डायरेक्ट कनेक्टिविटी से एग्जिम कार्गो की तेज मूवमेंट आसान होगी, इंडस्ट्रियल सेंटर्स और पोर्ट्स के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी, लॉजिस्टिक्स कॉस्ट कम होगी और मुंबई के रेलवे नेटवर्क पर भीड़ कम करने में मदद मिलेगी।

धुरंधर के गाने पर मोदी की एंट्री, रैंप पर चले, जेन-जी संवाद में राहुल पर तंज- झूठ की गूंज से भटकाने वाले हर चौराहे पर मिलेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। इस कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और भ्रामक बातों से बचने की अपील की।

पीएम ने कहा, लोग आपको झूठ की गूंज से गुमराह करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप सच्चाई के साथ खड़े रहना। मोदी का यह बयान राहुल गांधी और कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान पर तंज माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए खास तौर पर बाय आकार का रैंप बनाया गया था। भाषण से पहले पीएम रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही क्रीन का मशहूर गाना 'वी विल रॉक यू' बजाया गया। इसके बाद 'धुरंधर' का गाना 'आरी आरी' भी बजा। एक स्टूडेंट ने उन्हें तस्वीर भी गिफ्ट की।

गोंदिया-बालाघाट हाईवे पर ट्रक और पिकअप की भिड़ंत

छह लोगों की मौत, 7 घायल

गोंदिया (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। गोंदिया-बालाघाट हाईवे पर नागरा-मोहरनटोली के पास एक तेज रफ्तार ट्रक और पिकअप गाड़ी के बीच आमने-सामने की भयानक टक्कर हो गई. इस भीषण सड़क हादसे में पिकअप में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। हादसे में शामिल सभी लोग मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के रहने वाले थे।

खबर के मुताबिक, सुबह-सुबह हैदराबाद काम के लिए मजदूरों को ले जा रही पिकअप का यह भयानक एक्सीडेंट हो गया। एक तेज रफ़्तार ट्रक और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप गाड़ी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सात गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों की पहचान आरुष मात्रे, किरण संतोष वैद्य, संतोष मात्रे, सुशीला मात्रे,

रूपसेन सत्यकार और ज्योति सत्यकार के तौर पर हुई है।

बताया जा रहा है कि सभी मरने वाले मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले थे। हादसे की खबर मिलते ही, स्थानीय लोग और गोंदिया ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची. गाड़ी के अंदर फंसे घायलों को बाहर निकाला गया और तुरंत इलाज के लिए गोंदिया के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि सभी पीड़ित मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के रहने वाले थे और काम के लिए हैदराबाद जा रहे थे।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट के लिए भारत आएंगे

- 11 सितंबर को पीएम मोदी के साथ बैठक करेंगे, 9 महीने में दूसरी भारत यात्रा

नई दिल्ली/मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। 11 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं की बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन की द्विपक्षीय बैठक होगी।

रूस के राष्ट्रपति ऑफिस क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस मुलाकात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि भारत को रूस अपना रणनीतिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के रिश्ते उसके लिए बेहद अहम हैं।

उन्होंने बताया कि भारत और रूस के बीच ज्यादातर भुगतान अब दोनों देशों की अपनी-अपनी करेंसी में हो रहा है। इससे पहले

पुतिन 4 दिसंबर 2025 को भारत आए थे।

व्यापार से यूक्रेन युद्ध तक, इन मुद्दों पर होगी बात- मोदी-पुतिन की बैठक में व्यापार, आर्थिक सहयोग और परिवहन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों देश आपसी कारोबार बढ़ाने और अपनी कंपनियों के लिए नए मौके तलाशने पर भी बात कर सकते हैं। भारतीय कंपनियां रूस के बाजार में विस्तार करना चाहती हैं, जबकि रूस भारत में अपने कारोबार और उत्पादों की पहुंच बढ़ाने में रुचि रखता है।

महिला के घर में घुसना, कपड़े उठाना रेप की कोशिश नहीं

झारखंड हाईकोर्ट ने आरोपी को दी राहत, कहा- 4 साल नहीं 8 महीने की सजा पर्याप्त

रांची (एजेंसी)। झारखंड हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के प्रयास के करीब 27 साल पुराने मामले में आरोपी की दोष सिद्धि बरकरार रखते हुए सजा में बड़ी राहत दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि रात में महिला के घर में घुसना, उसे पकड़ना, कपड़े उठाना या उसके साथ अशोभनीय हरकत करना गंभीर अपराध है, लेकिन हर ऐसी हरकत को स्वतः दुष्कर्म का प्रयास नहीं माना जा सकता।

दुष्कर्म के प्रयास का अपराध तभी बनता है, जब आरोपी की ओर से ऐसा प्रत्यक्ष और निर्णायक कृत्य किया गया हो, जो दुष्कर्म को अंजाम देने की दिशा में स्पष्ट रूप से आगे बढ़ रहा हो।

जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने घाटशिला से जुड़े कमलेंदु महतो उर्फ खोका की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने मामले में आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध माना और आरोपी को पहले सुनाई गई 4 साल की सजा के बजाय 8 महीने की सजा को पर्याप्त माना।

आरोपी को भागते देखा, घटना किसी ने नहीं देखी- हाईकोर्ट ने मामले में पेश किए गए गवाहों के बयानों का भी बारीकी से विश्लेषण किया। पीड़िता के भाई ने अदालत को बताया कि उसे घटना

की जानकारी अपनी बहन से मिली थी। वह घटना का प्रत्यक्षदर्शी नहीं था। वहीं पड़ोसी प्रफुल्लो कुमार सिंह, परी सिंह, बुधी सिंह, अनंतो सिंह समेत अन्य गवाहों ने पीड़िता की आवाज और शोर सुनने तथा आरोपी को उसके घर से भागते देखने की बात कही।

किसी भी अन्य गवाह ने घटना को अपनी आंखों से नहीं देखा था। अदालत ने इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए माना कि आरोपी ने महिला की लज्जा भंग करने के इरादे से उस पर हमला किया था। इसलिए उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध बनता है। हालांकि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दुष्कर्म के प्रयास की धारा को उसी रूप में कायम रखना उचित नहीं माना गया।

आधी रात को घर में घुसा था आरोपी, शोर मचाने पर भागा- मामला 27 दिसंबर 1999 की आधी रात का है। पीड़िता अपने घर में सो रही थी, जबकि उसकी मां बगल के कमरे में थीं। घर में उस समय कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं था। रात करीब 12 बजे पीड़िता ने जबरन दरवाजा खोले जाने की आवाज सुनी।

यूपी में जज ने लिखा-मरना पसंद करूंगा, डरपोक कहलाना नहीं

- 5 महीने में 23 को मृत्युदंड दिया, जिला जज ने उनसे 100 केस हटाए, इससे नाराज

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। मैं मरना पसंद करूंगा, डरपोक जज कहलवाना नहीं। जब तक मैं अपने सिद्धांतों पर चल सकता हूं। तब तक सर्विस करूंगा वरना इस्तीफा दे दूंगा। जब तक मैं जज की कुर्सी पर हूं तो फैसला लेने का अधिकार भी एकमात्र मेरा ही होगा।

यह टिप्पणी सोमवार को मुजफ्फरनगर में जज रवि कुमार दिवाकर ने शाहपुर शहजादी हत्याकांड में पति नदीम को फांसी की सजा सुनाते हुए अपने फैसले में लिखी। कोर्ट ने नदीम पर 1 लाख जुर्माना भी लगाया।

अग्रवाल समाज के अध्यक्ष बने अरविंद अग्रवाल

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) स्थानीय चावड़ी वार्ड स्थित श्रीदेव लक्ष्मीनारायण मंदिर प्रांगण में अग्रवाल समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में आगामी सत्र 2026-27 के लिए समाज की नई कार्यकारिणी के गठन पर विचार-विमर्श किया गया।

चुनाव अधिकारी गोपाल प्रसाद गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं समाज के वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान समाज के जुझारू एवं कर्मठ सदस्य अरविंद अग्रवाल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में उपस्थित वरिष्ठ स मा ज बं धु ओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का आत्मीय स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अरविंद अग्रवाल ने समाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी को साथ लेकर समाज उत्थान, एकता और रचनात्मक कार्यों को नई दिशा देने का हरसंभव प्रयास करेंगे। शीघ्र ही कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जाएगी।

बछ बारस पर माताओ ने की गाय-बछड़े की पूजा, संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

(राजेश नीरस) भारतीय लोक परंपराओं के संवर्धन की दिशा में भादो मास की पावन द्वादशी तिथि के दिन बछ बारस का पर्व भक्ति यह पर्व विशेष रूप से राजस्थानी मारवाड़ी समाज की महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से विभिन्न स्थानों पर परंपरानुसार मनाया गया।

लोक महत्व और गौ-सेवा के बछ बारस का पावन पर्व मुख्य रूप से गौ-माता और उसके बछड़े के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अनूठा उत्सव है, । मान्यता है कि इस दिन के दूध पर केवल बछड़े का अधिकार होता है, इसलिए इस दिन गाय के दूध, दही और उससे बनी वस्तुओं का सेवन पूर्णतः वर्जित माना जाता है। इस अवसर पर माताएं अपने पुत्र और संतान की रक्षा, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए निर्जला या एक समय फलाहार कर व्रत रखती हैं। यह पर्व मातृप्रेम और मूक प्राणियों के प्रति सेवा भाव को मजबूत करता है।

पूजा की अनूठी परंपरा - बछ बारस के पावन अवसर पर महिलाये सामूहिक रूप से एकत्रित होकर साक्षात गौ-माता और बछड़े की विधि-विधान से रोली, अक्षत, मौली और पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की। गौ-माता के सींगों को सिंदूर और घी लगाया गया। इस दिन भोजन पकाने या फल-सब्जी काटने में किसी भी धारदार वस्तु (चाकू आदि) का उपयोग नहीं किया जाता । साथ ही, गेहूँ और जौं से बनी वस्तुओं का सेवन भी निषेध रहा।

पूजा के लिए एक दिन पहले ही रात्रि में मूंग, मोठ, चने और बाजरा भिगोकर रख दिए जाते हैं, जिसे स्थानीय भाषा में 'भिगोना' कहते हैं। पूजा के पश्चात् महिलाओं ने इन्हीं अंकुरित अनाजों और महुए के पत्तों पर रखकर बाजरे की रोटी व अन्य स्थानीय व्यंजनों का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया जाता। पूजा के अंत में बछ बारस की कथा सुनने के बाद और परिवार के बच्चों को तिलक लगाकर उनके सुखी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की

यूसीमास ग्लोटच अकादमी के बच्चों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) यूसीमास ग्लोटच अकादमी की टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है । ज्ञातव्य रहे कि यह अकादमी बच्चों को मानसिक विकास के आधार पर अंकगणित के साथ बच्चों की गति एवं सटीकता को आगे बढ़ाने का अभ्यास कराती है । बहुत कम समय में निर्धारित प्रश्नों को केवल मानसिक गति से हल कर उत्तर देने से सक्षम होती है । अपनी सर्वोत्तम विधा से नगर एवं क्षेत्र में बच्चों की मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता को निरंतर नया आयाम देने वाली संस्था द्वारा गत

दिनों 5 एवं 6 सितंबर को मुंबई के सिडको एग्जीबिशन सेंटर वाशी में पूरे देश से चयनित 4500 प्रशिक्षित बच्चों के मध्य गति एवं सटीकता के इस महाकौशल के प्रदर्शन में इस अकादमी के 10 बच्चों ने भाग लिया और 8 मिनट की अवधि में 200 प्रश्नों के गणितीय प्रश्नों को हलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया ।इनकी इस उपलब्धि पर अकादमी के संचालक सोनाली नवीन चौबे ने सभी पालकों को आभार एवं बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रावण्य सूची में अपना स्थान बनाने वाले बच्चों को आगामी दिसंबर माह में दिनांक 12 और 13 दिसम्बर को सुगतदासा इंडोर स्टेडियम, कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित होने वाले यू सी मास अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता एवं वर्ल्ड कप हेतु चयनित भी किया है।

इन बच्चों में राघव विवेक दुबे ,अथर्व आशीष खरे, मोइज सरफराज खान, आशी अरविंद कुशवाहा, ओजस ओमप्रकाश कौरव, अथर्व गिरीश गुप्ता,सात्विक उपेंद्र वस्त्राकर, तनिष्क आशीष आर्य , अग्रिमा अंकुर अग्रवाल ने अपना उत्कर्ष प्रदर्शनकिया।

विधुत चोरी के प्रकरणों में न्यायालय द्वारा गिरफतारी वारंट

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

(राजेश नीरस) विगत दिनों विद्युत चोरी के प्रकरणों में मा. विशेष न्यायाधीश श्री आरपी षष्ठम जिला सत्र न्यायाधीश गाडरवारा के द्वारा विशेष विधुत प्रकरणों धारा 135 विधुत अधिनियम के तहत विशेष विधुत प्रकरण में वितरण डोभी के अंतर्गत आरोपी देवेन्द्र किरार आत्मज गयालाल किरार निवासी नैरगपुर थाना तहसील तेंदूखेड़ा एवं आरोपी सुदामा किरार आत्मज खेतसिंह किरार निवासी करहैया थाना तहसील तेंदूखेड़ा के विरूध गिरफतारी वारंट जारी किये गये है।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्राप्त मनीष तिवारी एवं 12 उत्कृष्ट का शिक्षकों का भव्य सम्मान

सम्मान सदैव कृतित्व व व्यक्तित्व का होना चाहिये - मुकेश बसेड़िया

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) विगत दिवस स्थानीय गायत्री मंदिर में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्राप्त माध्यमिक शिक्षक मनीष शंकर तिवारी का स्थानीय गायत्री मंदिर परिसर में नगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं परशुराम सेना के जिलाध्यक्ष मुकेश बसेडिया ने शिक्षकों के साथ सम्मान शॉल, श्रीफल, मैडल, स्मृति चिन्ह, डायरी, कलम देकर पुष्पवर्षा के साथ किया। इस अवसर पर माँ गायत्री पूजन से शुरू हुए कार्यक्रम में उन्होंने शिक्षा

की विभिन्न विधाओं में विशिष्ट कार्य करने वाले शिक्षक राजेश गुप्ता, गजेंद्र कौरव,के के राजोरिया, सचिन नेमा, मधुसूदन पटैल, राजीव नाहर, राजेंद्र गुप्ता, मनीष श्रीवास्तव, सीमा कुशवाहा, सिराज अहमद सिद्धिकी, तुलसीकांत श्रीवास्तव एवं सुरेंद्र पटैल को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में श्री बसेडिया ने शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक भारतवर्ष की रीढ़ है,इनके वगैर किसी भी योजना या अन्य क्रियान्वयन सँभव नही है

इसलिए प्रतिवर्ष हम शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चयनित शिक्षकों को विगत 11 वर्ष से सम्मानित करते आ रहे है, सम्मान सदैव ही कृतित्व व व्यक्तित्व के साथ अनुकरणीय व आदर्श करने वाले शिक्षकों का होना चाहिए जिससे अन्य जन भी उनसे प्रेरणा लेकर उत्तम कार्य करे

. उदबोधन में मनीष संकर तिवारी, राजेश गुप्ता, गजेंद्र कौरव एवं सुरेंद्र पटैल ने कहा कि माँ विजयासन इंस्टिट्यूट द्वारा हमेशा ही शिक्षकों को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाने का कार्य किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राजेंद्र गुप्ता ने किया। इस अवसर पर पुजारी मूलचंद पटैल, तनु बसेडिया भी उपस्थित रहे

सीएम राइज स्कूल की बस को ले गए फाइनेंस कंपनी के एजेंट

साधना एक्सप्रेस

रीवा*, शासकीय सांदीपनि उच्चतर। माध्यमिक विद्यालय (सीएम राइज) के विद्यार्थियों के परिवहन में लगी बस को कथित तौर पर फाइनेंस कंपनी के एजेंटों द्वारा ले जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद बच्चों का परिवहन प्रभावित होने से अभिभावकों में नाराजगी है। जानकारी के अनुसार निजी लिटिल किंगडम स्कूल के नाम पंजीकृत बस पिछले करीब 20 माह से सीएम राइज स्कूल के परिवहन कार्य में लगी थी।

बस संचालक द्वारिका प्रसाद साहू का आरोप है कि गत 6 सितंबर को घूमन रोड पर खड़ी बस को कुछ लोग, स्वयं को फाइनेंस कंपनी का एजेंट बताते हुए, मास्टर चाबी की मदद से ले गए। संचालक के मुताबिक वाहन की मूल चाबी और दस्तावेज उनके पास है। संचालक ने भुगतान में देरी के कारण आर्थिक संकट की बात कहते हुए मुख्य ठेकेदार कंपनी पर भी आरोप लगाए है।

उन्होंने डभौरा थाने में शिकायत देकर कलेक्टर, एसपी और शिक्षा अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बस वापस दिलाने और जिम्मेदारों पर, कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ ने पीएम व सीएम के नाम अलग अलग 23 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

(राजेश नीरस) मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की तहसील इकाई गाडरवारा ने एवं प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में अलग अलग ज्ञापन सौपे । सीएम के नाम दिये ज्ञापन में प्रदेश के अधिकारियों-कर्मचारियों की लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की गई है।संघ के जिलाध्यक्ष भीकम सिंह कौरव ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में की गई

घोषणाएं जैसे स्वास्थ्य बीमा योजना, कर्मचारी आयोग का गठन और दो संतान की बाध्यता समाप्त करने का आदेश अब तक लागू नहीं हुआ है, जिससे कर्मचारियों में भारी असंतोष है।ज्ञापन में 23 प्रमुख मांगे रखी गई हैं। मुख्य मांगों में पुरानी पेंशन योजना वरिष्ठता के साथ लागू करना, ग्रेच्युटी सीमा 25 लाख करना, केंद्र के समान तिथि से महंगाई भत्ता देना, लिपिकों को मंत्रालय के समान वेतनमान और दो संतान वाले नियम को निरस्त करना शामिल है।

संघ ने दैनिक वेतनभोगी, संविदा और स्थायी कर्मियों को नियमित करने, आउटसोर्स कर्मियों को शासकीय सेवक मानने, स्थायी कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ, पंचायत सचिवों का संविलियन और स्टाइपेंड व्यवस्था समाप्त करने की मांग की।

इसके अलावा शिक्षकों की पदोन्नति में डीएलएड-बीएड की अनिवार्यता हटाने, स्वास्थ्य विभाग, आयुष, महिला बाल विकास और फार्मासिस्ट की वेतन विसंगतियां दूर करने, पटवारियों को वरिष्ठता के आधार पर प्रमोशन और समयमान 2800 ग्रेड पे पर देने की मांग भी की गई। इसके अलावा मांग की है कि रजिस्ट्री जैसे अतिरिक्त कार्य के लिए मोबाइल, प्रिंटर, स्कैनर और 10 हजार अतिरिक्त मानदेय दिया जाए। चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को पदोन्नति, परिवार पेंशन की अर्हता 33 से घटाकर 25 वर्ष करने और अनुकंपा नियुक्ति नियमों के सरलीकरण की भी मांग उठाई गई।

इसके अलावा पीएम के नाम दिये गए ज्ञापन में कर्मचारियों की समस्याओं का उल्लेख किया गया है एवं 31 मार्च 2015 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों टीईटी से छूट देने की मांग की गई है। इस अवसर पर ज्ञापन देते समय जिला अध्यक्ष भीकम कौरव,तहसील अध्यक्ष रत्नेश चौबे, पूर्व तहसील अध्यक्ष महेश अधरुज, पूर्व जिला उपाध्यक्ष आर के सिंगोरिया, हीरालाल शर्मा, साइखेड़ा अध्यक्ष पंकज विकास पाठक, सचिव प्रमोद कुमार ढिमोले, चीचली सचिव हरीश कुमार मेहरा,जे एल कौरव, नरेश कुमार मेहरा, देवेंद्र कुमार पगारे,नरेंद्र कुमार नामदेव, हरदयाल जाटव,आशीष कुमार सोनी, गोपाल प्रसाद साहू, अरविंद कुमार शर्मा, सुनील कुमार पटेल, प्रमोद कुमार पठारिया, मधुसूदन पटेल, यशवंत कौरव,अखिलेश शर्मा, रूपेश कुमार कौरव,ओमप्रकाश वर्मा,प्रमोद कुमार सोनी आदि अनेक कर्मचारी मौजूद रहे

बढ़ीं स्वास्थ्य मंत्री की मुश्किलें: रीवा में भी मेडिकल छात्रों का विरोध शुरू, स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग तेज

साधना एक्सप्रेस रीवा।

भोपाल में इंटर्न डॉक्टर्स पर हुए कथित लाठीचार्ज और स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदेशभर में चल रहे विरोध प्रदर्शन की आग अब रीवा तक पहुंच गई है। रीवा के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के मेडिकल छात्रों और इंटर्न डॉक्टर्स ने भी अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

मेडिकल छात्रों ने कहा कि प्रदेश के इंटर्न डॉक्टर्स लंबे समय से स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जा रहा है। छात्रों का आरोप है कि भोपाल में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे इंटर्न डॉक्टर्स पर बल प्रयोग किया गया, जिससे पूरे प्रदेश के मेडिकल छात्रों में नाराजगी है।

रीवा में छात्रों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और सरकार से मांग की कि इंटर्न डॉक्टर्स के स्टाइपेंड में तत्काल वृद्धि की जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई के बीच मिलने वाला स्टाइपेंड पर्याप्त नहीं है, जबकि मेडिकल शिक्षा और प्रशिक्षण के दौरान उन्हें लगातार अस्पतालों में सेवाएं देनी पड़ती हैं।

छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने भोपाल में हुई घटना की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की भी मांग की।

प्रदेशभर में मेडिकल छात्रों के बढ़ते विरोध को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और सरकार पर दबाव बढ़ता नजर आ रहा है। अब देखना होगा कि सरकार मेडिकल छात्रों की मांगों को लेकर क्या निर्णय लेती है और आंदोलन को शांत करने के लिए कौन से कदम उठाए जाते हैं।

डीपीआई में बढ़ेंगे आईएएस और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी

साधना एक्सप्रेस रीवा।

रीवा,लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी दूर करने के लिए एक और आईएएस तथा दो राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदस्थापना का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह ने शासन से रिक्त पदों पर अधिकारियों की नियुक्ति की अनुमति मांगी है।

आयुक्त अभिषेक सिंह ने बताया कि संचालनालय में वरिष्ठ पदों के रिक्त रहने से काम प्रभावित हो रहा है। इसी वजह से रिक्त पदों पर अधिकारियों की व्यवस्था के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्ताव को मंजूरी देना शासन का निर्णय होगा।अधिकारियों की नियुक्ति केवल पद रिक्त रहने तक की स्थिति में की जाएगी। इससे विभागीय अधिकारियों की वरिष्ठता प्रभावित नहीं होगी और किसी अधिकारी को नुकसान नहीं होगा। संचालक के एक पद पर आईएएस की नियुक्ति का प्रस्ताव-प्रस्तावः के अनुसार, संचालनालय में संचालक के तीन पदों में से एक पद पर आईएएस अधिकारी की नियुक्ति की जा सकती है। वर्तमान में दो पद

विभागीय अधिकारियों के पास हैं। वहीं अपर संचालक के दो पदों पर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदस्थापना का प्रस्ताव है। जानकारी के अनुसार, मार्च 2020 तक संचालक के पदों में से एक पर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की पदस्थापना की व्यवस्था थी, जिसे बाद में समाप्त कर दिया गया। नए प्रस्ताव का विभागीय अधिकारियों ने विरोध शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने आंदोलन की चेतावनी भी दी हैं।

प्रदेश सरकार में मंत्री श्री लखन पटेल जी ने आज राजधानी भोपाल स्थित पूर्व गृह मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा जी के निवास पर सौजन्य भेंट की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक एवं महत्वपूर्ण विषयों पर आत्मीय चर्चा हुई।

संक्षिप्त समाचार

कैम्पियन स्कूल में मनाया गया शिक्षक दिवस, छात्र-छात्राओं ने दी आकर्षक प्रस्तुति

भोपाल, नप्र। कैम्पियन स्कूल भोपाल में शिक्षक दिवस हर्षोउल्लास व आदर के भाव के साथ लोयला सभागार में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि व प्राचार्य फॉदर अमृतलाल टोप्पो एस.जे., उप प्राचार्य फादर फेबियानुस एसजे, हैडमिस्ट्रैस सिस्टर रेनिशा एसी आदि द्वारा द्वीप प्रज्जिवलित व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के फोटो पर माल्यार्पण कर उनको याद करके की गई। प्रार्थना मधुर गीत प्रायमरी एवं सेकण्डरी सेकशन के छात्र छात्राओं द्वारा गाया गया। फादर्स, ब्रदर्स, शिक्षक शिक्षिकाओं आदि लोगों को पुष्प गुच्छों, ग्रीटिंग कार्ड के साथ पौधों को देकर स्वागत व सम्मान किया गया। प्रायमरी एवं सेकेण्डरी के छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक स्वागत नृत्य के साथ समारोह का शुभारंभ किया गया। प्रायमरी और सेकेण्डरी के सैंकड़ों छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न लयबध्द् व मनमोहक डाँस, बॉलीवुड के गानों पर फ्यूज़न नृत्य, म्यूजिकल इवेंट, कविताएँ आदि प्रस्तुत की गई। छात्रों ने मिलकर विशिंग साँग गाया। छात्राओं द्वारा विभिन्न गानों पर डाँस प्रस्तुत किया गया। छात्रों द्वारा बॉलीवुड डाँस, भांगड़ा, हिप-हॉप डाँस व बीट-बॉक्सिंग फीलर की भी शानदार प्रस्तुति दी गई। सेकेण्डरी के म्यूजिक ग्रुप के सदस्यों द्वारा विभिन्न गानों पर ऑरकेस्ट्रा की प्रस्तुतियाँ भी दी गई। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षिकाओं ने रैंप वॉक भी की। अंत मे सेलीब्रेशन डॉस की प्रस्तुति ने समाँ बाँध दिया। प्रायमरी व सेकेण्डरी के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, ऑफिस स्टॉफ, सर्पोटिंग स्टाफ, बस ड्रायवर्स व कंडकटर्स को सम्मान स्वरूप तोहफे प्रदान किए गए। प्राचार्य फादर ने इस अवसर पर अपने प्रेरक भाषण में सभी को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. राधाकृष्णन निश्चित रूप से महान् दार्शनिक, लेखक और शिक्षाविद् थे। मंच का संचालन एवं धन्यवाद प्रस्ताव छात्रों के द्वारा किया गया।0000

रफ़ी-किशोर-मुकेश के नग़मों से गूंजा कोलार रोड

3 इक्का कराओके नाइट में दिखा गायकी का शानदार जलवा

भोपाल । कोलार रोड स्थित चाइना टेरेस में रविवार, 6 सितंबर को आयोजित 3 इक्का कराओके नाइट÷ ने संगीत प्रेमियों के बीच खूब रंग जमाया। नीलकंठ संगीत ग्रुप भोपाल द्वारा आयोजित इस विशेष संगीत संध्या में रफ़ी, किशोर कुमार और मुकेश के सदाबहार गीतों ने ऐसा समां बांधा कि देर तक पूरा माहौल सुरों और तालियों से गूंजता रहा। कार्यक्रम में शहर के संगीत प्रेमियों और गायकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंच पर एक के बाद एक शानदार प्रस्तुतियां हुईं और प्रतिभागियों ने अपनी गायकी से दर्शकों का दिल जीत लिया। किसी ने रफ़ी साहब के अमर नग़मे सुनाए तो किसी ने किशोर कुमार और मुकेश के लोकप्रिय गीतों को अपनी आवाज़ में पेश कर पुरानी यादें ताजा कर दीं।

हर प्रस्तुति पर मिली तालियां :कार्यक्रम की खासियत रही कि मंच पर प्रस्तुत होने वाले प्रत्येक गायक ने अपने अंदाज़ में गीतों को पेश किया। शानदार कराओके ट्रैक्स, बेहतरीन प्रस्तुतियों और श्रोताओं के उत्साह ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। रफ़ी, किशोर और मुकेश के गीतों के साथ जुड़ी पुरानी यादें जब मंच से सुरों के रूप में सामने आईं तो संगीत प्रेमी भाव-विभोर नजर आए। कई गीतों पर दर्शकों ने कलाकारों का साथ देते हुए तालियां बजाईं और पूरा माहौल किसी लाइव म्यूजिकल शो जैसा नजर आया।

वंदना जी और मनराज सिंह जी की आयोजन में अहम भूमिका :इस भव्य संगीत आयोजन के आयोजक नीलकंठ संगीत ग्रुप भोपाल के वंदना जी एवं मनराज सिंह जी रहे। आयोजकों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल कराओके कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि पुराने सदाबहार संगीत को जीवंत रखना और शहर के संगीत प्रेमियों व गायकों को एक बेहतर मंच उपलब्ध कराना है।3 इक्का कराओके नाइट में कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों, सम्मान समारोह और संगीत प्रेमियों की जबरदस्त भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल बना दिया। आयोजन के अंत में सभी कलाकारों, अतिथियों और उपस्थित संगीत प्रेमियों का आभार व्यक्त किया गया।

रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का होगा नियमित संचालन

भोपाल। रेल यात्रियों की सुविधा, यातायात की बढ़ती मांग तथा लंबी दूरी के यात्रियों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे द्वारा रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को नियमित ट्रेन के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत ट्रेन संख्या 01665/01666 रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति स्पेशल अब 11665/11666 रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में नियमित रूप से संचालित होगी।

ट्रेन संख्या 11665 रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचालन 22 अक्टूबर 2026 से रानी कमलापति स्टेशन से तथा ट्रेन संख्या 11666 अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक एक्सप्रेस का संचालन 25 अक्टूबर 2026 से अगरतला स्टेशन से प्रारंभ होगा।ट्रेन संख्या 11665 रानी कमलापति-अगरतला प्रत्येक गुरुवार तथा ट्रेन संख्या 11666 अगरतला-रानी कमलापति प्रत्येक रविवार को संचालित होगी। ट्रेन का मार्ग रानी कमलापति-नर्मदापुरम-इटारसी-पिपरिया-गाडरवारा-नरसिंहपुर-जबलपुर-कटनी-मैहर-सतना-माणिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिर्जापुर-पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन-बक्सर-आरा-दानापुर-पाटलिपुत्र-हाजीपुर-बरौनी-बेगूसराय-खगड़िया-नौगछिया-कटिहार-किशनगंज-न्यू जलपाईगुड़ी-न्यू कूचबिहार-न्यू अलीपुरद्वार-न्यू बोंगाईगांव-रंगिया-गुवाहाटी-छपारमुख-न्यू हाफलोंग-बदरपुर जंक्शन-न्यू करीमगंज-धर्मनगर-कुमारघाट-अंबासा-तेलियामुरा होते हुए अगरतला तक रहेगा।

ई-अटेंडेंस पर 3.75 लाख शिक्षकों का विरोध, निजी डेटा की सुरक्षा से लेकर थर्ड पार्टी सर्वर तक उठे गंभीर सवाल

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लागू की जा रही ई-अटेंडेंस व्यवस्था ने अब एक बड़े विवाद का रूप ले लिया है। इस नई प्रणाली के खिलाफ प्रदेश भर के करीब साढ़े तीन लाख से अधिक शिक्षक लामबंद हो गए हैं।

शिक्षकों के विरोध की मुख्य वजह हाजिरी के लिए भरवाया जा रहा ऑनलाइन सहमति पत्र है, जिसमें डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 का हवाला दिया गया है। शिक्षक संगठनों को डर है कि उनका निजी डेटा चोरी हो सकता है और उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया में थर्ड पार्टी की दखलंदाजी पर तीखे सवाल खड़े किए हैं।

डेटा की सुरक्षा और थर्ड पार्टी डोमेन पर आपत्तियां :शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि जब विभाग खुद डेटा प्रोटेक्शन कानून की बात कर रहा है, तो उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि ई-अटेंडेंस 3.0 का पोर्टल gov.in या nic.in सुरक्षित डोमेन पर संचालित हो रहा है या नहीं।

शिक्षकों की आपत्ति है कि यदि किसी गैर-सरकारी या थर्ड पार्टी डोमेन का उपयोग किया जा रहा है, तो इसे मंजूरी किस सक्षम अधिकारी ने दी? शिक्षकों का मानना है कि निजी डेटा किसी भी बाहरी कंपनी के हाथों में जाना असुरक्षित हो सकता है।

सर्वर और निजी कंपनियों की भूमिका सार्वजनिक करने की मांग :शिक्षक संगठन ने भारत सरकार की वेबसाइट गाइडलाइंस (GIGW) और साइबर सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट को पारदर्शी तरीके से सबके सामने रखने की मांग की है। उनका तर्क है कि यह सिर्फ सामान्य हाजिरी नहीं है, बल्कि इसके जरिए शिक्षकों की लाइव लोकेशन, मोबाइल नंबर और उनके पूरे सर्विस रिकॉर्ड जैसी संवेदनशील जानकारियां दर्ज की जा रही हैं।

विभाग को सहमति लेने से पहले यह साफ करना चाहिए कि इस डेटा का असली फिड्यूशरी (संरक्षक) कौन है और सर्वर कहां मौजूद है। बता दें कि इस व्यवस्था के दायरे में करीब 3.75 लाख शिक्षक आ रहे हैं, जिनमें 2.32 लाख नियमित, 72 हजार अतिथि और लगभग 70 हजार ट्राइबल विभाग के शिक्षक शामिल हैं। इन सभी से अब सहमति पत्र मांगे जा रहे हैं, जिसने विरोध की आग को और भड़का दिया है।

हाजिरी की जल्दबाजी, लेकिन शिकायतों के निपटारे में सुस्ती

ई-अटेंडेंस को लेकर दिखाई जा रही इस जल्दबाजी से शिक्षक इसलिए भी खासे नाराज हैं क्योंकि उनकी लंबित समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शिक्षकों का कहना है कि उनकी सेवा संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए बनाए गए परिवेदना पोर्टल पर लगभग 18 हजार (17,817) मामले अब भी धूल फांक रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पोर्टल पर कुल 36,827 शिकायतें दर्ज हुई थीं, जिनमें से महज 19 हजार का ही निराकरण हो पाया है। संगठन का आरोप है कि जो मामले सामान्य टेबल स्क्रूटनी से सुलझाए जा सकते हैं, वे महीनों और सालों से अटके पड़े हैं। लंबित प्रकरणों में सबसे अधिक मामले मुरैना जिले के हैं, जबकि राजधानी भोपाल में भी 1,824 शिकायतें पेंडिंग चल रही हैं।

नकली शराब से दस मौतों पर सरकार सख्त तीन आबकारी अधिकारी निलंबित

दोषी कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा : जगदीश देवड़ा

भोपाल । सागर जिले के बंडा तहसील क्षेत्र के ग्राम गोगरा खुर्द, नौरोज और पाटन में शराब पीने से दस लोगों की मृत्यु के मामले में राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। उपमुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने आबकारी अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर उपायुक्त एवं संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरजा श्रीवास्तव को ग्वालियर मुख्यालय अटैच किया गया है एवं सहायक आयुक्त आबकारी सागर कीर्ति दुबे, सहायक जिला आबकारी अधिकारी सागर दिलीप खंडाते और आबकारी उप निरीक्षक वृत्त बंडा प्रोशनी उरेती को निलंबित कर दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'इस हादसे के पीछे जो भी व्यक्ति जिम्मेदार होगा, उसे किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सरकार इस पूरे प्रकरण में सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।' उन्होंने कहा कि अवैध अथवा नकली शराब के निर्माण और बिक्री से जुड़े किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही विभागीय स्तर पर यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी जवाबदेही तय की जाएगी। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। शराब के स्रोत, उसकी आपूर्ति तथा घटना से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। शासन ने स्पष्ट किया है कि जांच में सामने आने वाले प्रत्येक दोषी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने सागर के बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में शराब पीने से हुई मौतों को अत्यंत दुखद और गंभीर घटना बताया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की विस्तृत जानकारी ली है।

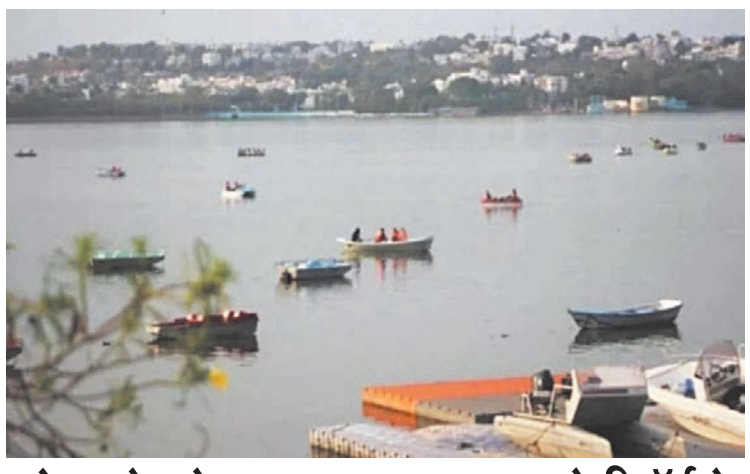

भोपाल के बड़े तालाब का सच आया सामने, रिकॉर्ड से ज्यादा निकला दायरा, गायब मिलीं एफटीएल मुनारें

भोपाल, नप्र। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देश पर भोपाल के बड़े तालाब की वास्तविक और कागजी सीमा का सच जानने के लिए रविवार को गौहर महल से सघन सर्वे की शुरुआत की गई। जांच के लिए दो विशेष टीमें मैदान में उतरीं। एक टीम ने आसमान से ड्रोन के जरिए तस्वीरें कैद कीं, तो दूसरी ने जमीन पर उतरकर ग्राउंड ट्रुथिंग की।

शुरुआती जांच में ही यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि तालाब का दायरा रिकॉर्ड में दर्ज सीमा से कहीं ज्यादा है। कई जगहों पर जलस्तर रिटेनिंग वॉल को भी पार कर चुका है, जिससे बड़े पैमाने पर हुए अतिक्रमण और सीमा चिह्नों (मुनारों) के गायब होने की पोल खुल गई है।

खानूगांव और हलालपुरा में गायब मिले सीमा चिह्न :जांच दल ने पहले दिन खानूगांव, कोहेफिजा, हलालपुरा स्थित फिजा फार्म, लैंडमार्क मैरिज गार्डन और चिरायु अस्पताल के पिछले हिस्से का निरीक्षण किया। खानूगांव क्षेत्र में जहां फुल टैंक लेवल (एफटीएल) की कई मुनारें होनी चाहिए थीं, वहां टीम को बमुश्किल सिर्फ एक मुनार नजर आई।

टीम ने श्मशान घाट, निर्माणाधीन करूज साइट और आर्मी स्पोर्ट्स एरिया का भी जायजा लिया। हलालपुरा के पीछे एफटीएल दायरे में औद्योगिक निर्माण जैसी गतिविधियां देखी गईं। वहीं, लैंडमार्क मैरिज गार्डन के पीछे करीब 6 फीट का भराव और पानी पाया गया, जबकि यहां से एफटीएल की मुनारें पूरी तरह से गायब थीं।

रिटेनिंग वॉल के ऊपर तक पहुंचा जलभराव :सर्वे के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि जलभराव उन चिन्हित पक्की संरचनाओं से काफी आगे निकल चुका है जिन्हें अंतिम सीमा माना जा रहा था। कई स्थानों पर पानी रिटेनिंग वॉल के ऊपर बहता मिला। हलालपुरा के फिजा फार्म में तो पक्के पुल के आगे तक तालाब का पानी पहुंच चुका है।

टीम ने इस जमीनी हकीकत को दर्ज कर लिया है, जिसका अब कागजी रिकॉर्ड, एफटीएल और ग्रीन बेल्ट के मानकों के साथ तकनीकी मिलान किया जाएगा। इसके अलावा, कर्बला पंप हाउस और सीरीन नदी के आसपास बड़े हिस्से में जलकुंभी और जलीय घास का फैलाव देखने को मिला।

ड्रोन गिरने से टूटी पंखुड़ी, बैरागढ़ में आज होगा सर्वे

खानूगांव और कोहेफिजा के आसपास एयरपोर्ट का नजदीकी क्षेत्र होने के कारण छोटे ड्रोन से सर्वे किया जा रहा था। इसी दौरान एक ड्रोन अचानक गिर गया, जिससे उसकी पंखुड़ी टूट गई। हालांकि, इस बाधा के बावजूद सर्वे का काम जारी रहा और टीम ने चिरायु अस्पताल तक के क्षेत्र का मुआयना किया। इस महत्वपूर्ण जांच टीम में सर्वे विशेषज्ञ सुभाष सी. पांडे, याचिकाकर्ता राशिद नूर खान सहित नगर निगम, जिला प्रशासन, पर्यावरण मंत्रालय और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) के अधिकारी शामिल रहे। रविवार को तालाब के सिर्फ एक छोर की जांच पूरी हो सकी है। बैरागढ़, रातीबड़ और बिशनखेड़ी जैसे अहम इलाकों में सोमवार को सर्वे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

इंटर्न डॉक्टरों का भोपाल में हल्लाबोल, हमीदिया से सीएम निवास तक निकाला पैदल मार्च

बोले- 14,337 नहीं 30 हजार चाहिए स्टाइपेंड

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे इंटर्न डॉक्टरों का सब्र अब जवाब दे गया है। सरकार के कोरे आश्वासनों से नाराज होकर इंटर्न डॉक्टरों ने 7 सितंबर को राजधानी भोपाल में मोर्चा खोल दिया है।

अपनी मांगों को लेकर ये चिकित्सक हमीदिया अस्पताल से सीधे मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच कर रहे हैं। डॉक्टरों ने दो टूक कह दिया है कि अब उन्हें कोई मौखिक आश्वासन नहीं, बल्कि स्टाइपेंड वृद्धि का लिखित आदेश चाहिए।

डेढ़ माह के इंतजार के बाद टूटा सब्र :आंदोलनकारी डॉक्टरों का कहना है कि शासन ने करीब एक महीने पहले स्टाइपेंड बढ़ाने के

मुद्दे पर जल्द निर्णय लेने का मौखिक भरोसा दिया था।

सरकार के इस वादे का सम्मान करते हुए इंटर्न डॉक्टरों ने डेढ़ महीने तक शांतिपूर्वक इंतजार किया। लेकिन जब इतना लंबा समय बीत जाने के बावजूद सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक अधिसूचना या लिखित आदेश जारी नहीं हुआ, तो उन्हें मजबूरन सड़क पर उतरकर अपना विरोध दर्ज कराना पड़ा।

14 हजार नहीं, 30 हजार रुपये प्रतिमाह की मांग :वर्तमान व्यवस्था के तहत प्रदेश में इंटर्न डॉक्टरों को हर महीने महज 14,337 रुपये बतौर स्टाइपेंड दिए जा रहे हैं। डॉक्टरों की प्रमुख मांग है कि इस सम्मान राशि को बढ़ाकर न्यूनतम 30,000 रुपये प्रतिमाह किया जाए। अपनी इसी मांग को सीधे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने रखने और अब तक मिले आश्वासनों की वास्तविक स्थिति पर चर्चा करने के लिए यह मार्च निकाला जा रहा है।

हमीदिया के गेट नंबर 1 से सीएम हाउस तक शांतिपूर्ण मार्च

अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए इंटर्न डॉक्टरों ने भोपाल स्थित हमीदिया अस्पताल के गेट क्रमांक 1 से मुख्यमंत्री निवास तक पैदल मार्च शुरू किया है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि उनका यह आंदोलन पूरी तरह से लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण है। '14,337 नहीं, 30,000 चाहिए... अब आश्वासन नहीं, लिखित आदेश चाहिए' जैसे नारों के साथ डॉक्टर लगातार सरकार से अपनी जायज मांगें जल्द से जल्द पूरी करने की अपील कर रहे हैं। आगे की रणनीति भी इसी मार्च के दौरान तय की जाएगी।

भोपाल में सरकारी नौकरी का सपना दिखाकर छह लाख की ठगी

श्रम विभाग का फर्जी नियुक्ति पत्र थमाया

भोपाल, नप्र। सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर अवधपुरी निवासी युवक से छह लाख रुपये लेने और बाद में फर्जी नियुक्ति पत्र थमाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने श्रम विभाग में विशेष भर्ती अभियान के तहत उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर नौकरी लगवाने का दावा किया था, लेकिन तय तारीख पर नौकरी नहीं मिली।

जांच कराने पर नियुक्ति पत्र फर्जी निकला। शिकायत की जांच के बाद अवधपुरी पुलिस ने आरोपित अखिलेश नापित के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

श्रम विभाग में नौकरी का दिया झांसा :पुलिस के अनुसार, रचना विहार, अवधपुरी निवासी संतोष कुमार यादव की पहचान जनवरी 2025 में परिचित विनोद आहिरे के माध्यम से अखिलेश नापित से हुई थी। अखिलेश ने संतोष को बताया कि श्रम विभाग में विशेष भर्ती अभियान के तहत उच्च श्रेणी लिपिक के पांच पद हैं और वह उसकी नौकरी लगवा सकता है।

इसके बदले उसने छह लाख रुपए मांगे। आरोपित ने संतोष को शुभम भविष्कार नामक व्यक्ति का कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के संयुक्त संचालक पद से संबंधित नियुक्ति पत्र दिखाकर भरोसा दिलाया कि इसी तरह उसका भी नियुक्ति पत्र जारी होगा।

सील और हस्ताक्षर वाला दिया नियुक्ति पत्र :संतोष ने 26 मार्च 2025 तक आरोपित को कुल छह लाख रुपए दिए। जांच में सामने आया कि 5 लाख 25 हजार रुपये नेट बैंकिंग और आरटीजीएस के जरिए, जबकि 75 हजार रुपबे नकद दिए गए थे।

इसके बाद 18 अप्रैल को आरोपित ने संयुक्त संचालक कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं, श्रम विभाग के नाम से सील और हस्ताक्षर वाला नियुक्ति पत्र दे दिया। इसमें 2 जून 2025 को नियुक्ति होना बताया गया था।

जांच कराने पर फर्जी निकला दस्तावेज:नियुक्ति नहीं होने पर आरोपी ने तारीख बढ़ाकर 6 सितंबर 2025 कर दी। सितंबर में भी नौकरी नहीं लगी तो संतोष ने नियुक्ति पत्र की जांच कराई। इसमें दस्तावेज फर्जी पाया गया।

बाद में फर्जीवाड़ा पकड़ गया तो उसने आरोपी ने 30 नवंबर 2025 तक पूरी रकम लौटाने का आश्वासन दिया, लेकिन रकम वापस नहीं की। 17 मई 2026 को संतोष ने अवधपुरी थाने में शिकायत की।

एसपी ने थाना ईंटखेड़ी में लंबित मर्ग एवं अपराध प्रकरणों की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भोपाल, नप्र। पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय द्वारा आज थाना ईंटखेड़ी में थाना ईंटखेड़ी एवं थाना परवलिया सड़क के विवेचकों के साथ लंबित मर्ग एवं अपराध प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा विवेचकों से लंबित प्रकरणों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही ई-विवेचना एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के संकलन, सीसीटीएनएस में प्रकरणों की अद्यतन प्रविष्टि एवं आवश्यक कार्यवाही के संबंध में दिशा-

निर्देश प्रदान किए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष रूप से नकबजनी एवं वाहन चोरी के प्रकरणों में घटनास्थल से वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य संकलित कर विवेचना को प्रभावी बनाने, आरोपियों की पतारसी एवं बरामदगी की कार्यवाही में तेजी लाने तथा लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर एसडीओपी ईंटखेड़ी सुश्री मंजू चौहान सहित थाना ईंटखेड़ी एवं थाना परवलिया सड़क के विवेचक उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी विवेचकों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक प्रकरण में निष्पक्ष, साक्ष्य आधारित एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करते हुए प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए।

यात्री परिवहन विजन समिट में जुटेंगे विशेषज्ञ, बस ऑपरेटर और उद्योग जगत के प्रतिनिधि

भोपाल, नप्र। प्रदेश के नागरिकों को सुगम, सुरक्षित, स्मार्ट और प्रदूषण रहित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यात्री परिवहन विजन समिट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पर केंद्रित इस दो दिवसीय समिट में निजी बस ऑपरेटर, नीति निर्माता, परिवहन विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिट में प्रदेश की मौजूदा यात्री परिवहन व्यवस्था को और बेहतर, आधुनिक एवं प्रभावी बनाने को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। यह समिट 11 एवं 12 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगी। इसमें परिवहन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ, बस ऑपरेटर और उद्योग जगत के प्रतिनिधि अपने अनुभव एवं सुझाव साझा करेंगे। साथ ही प्रदेश में यात्री परिवहन को अधिक सुविधाजनक और तकनीक आधारित बनाने, यात्रियों की सुरक्षा और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था विकसित करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी।

अहिरवार समाज संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक भोपाल में संपन्न

भोपाल । अहिरवार समाज संघ मध्यप्रदेश की प्रदेश स्तरीय बैठक भोपाल में आयोजित की गई। बैठक संस्थापक एवं महिला प्रदेश अध्यक्ष संगीता गोलियां जी के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी चुनाव और नई जिम्मेदारियों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान श्री रविंद्र भास्कर जी को प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं आगामी संगठनात्मक चुनाव के लिए चुनाव समिति के नाम भी प्रस्तावित किए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि दिसंबर माह में प्रदेश कार्यकारिणी के चुनाव कराए जाएंगे।बैठक में संगठन को मजबूत करने, समाज के लोगों को एकजुट करने तथा प्रदेश स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर के.डी. अहिरवार, मुकेश अहिरवार, महेश नंदमेहर, सुंदरलाल वर्मा, सुनील बोरसे, हीरालाल गोलियां, शिवनारायण अहिरवार, विवेक भास्कर, सीताराम पटेल, कुंजीलाल बामणी, करण सिंह अहिरवार, कैलाश अहिरवार, राजेश अहिरवार सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोपाल स्टेशन पर स्वच्छता अभियान को गति, यात्रियों में जागरूकता के साथ नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

भोपाल । भोपाल मंडल द्वारा भोपाल रेलवे स्टेशन को स्वच्छ, सुंदर एवं यात्री सुविधाओं के अनुकूल बनाए रखने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। स्वच्छता के प्रति यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्टेशन परिसर में नियमित रूप से उद्घोषणाओं के माध्यम से यात्रियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की जा रही है। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में कचरा इधर-उधर न फेंकने, निर्धारित डस्टबिन का उपयोग करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जागरूकता गतिविधियों के साथ-साथ स्वच्छता संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध जन विश्वास अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई भी की जा रही है। अगस्त 2026 के दौरान भोपाल रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता नियमों के उल्लंघन के 104 प्रकरण दर्ज किए गए तथा इन मामलों में कुल 35,800/- का जुर्माना वसूल किया गया। यह कार्रवाई यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी एवं अनुशासन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा कि 'स्वच्छ रेलवे स्टेशन केवल रेल प्रशासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि यात्रियों के सहयोग और सहभागिता से ही संभव है। भोपाल मंडल द्वारा स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए जागरूकता गतिविधियों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। हमारा प्रयास है कि भोपाल स्टेशन आने वाला प्रत्येक यात्री स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे और 'स्वच्छ स्टेशन-स्वच्छ यात्रा' के संकल्प में सहभागी बने। 'भोपाल मंडल रेल यात्रियों से अपील करता है कि स्टेशन एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा स्वच्छ रेल परिसर के निर्माण में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

|| संपादकीय ||

बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन?

मानवीय हिमाकतों के चलते दिल्ली में और एक बड़ी दर्दनाक घटना घट गई। सत्य निकेतन के मोतीनगर स्थिति एक सालों पुरानी जर्जर हालत की बिल्डिंग मौत बनकर रिमझिम बारिश में भरभराकर गिर पड़ी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे बच्चों के परिजनों की चीखें कलेजा फाड़ रही हैं। परिजन बिलख रहे हैं,मांए बदहवास और बेसुध हैं। स्थानीय पुलिस और हुकुमती अधिकारियों का घटनास्थल पर जमघट लगा है। राहत-बचाव कार्य जारी है। घायल बच्चे एम्स के ट्रामा सेंटर भिजवाए जा रहे हैं। लेकिन वहां से कुछ बच्चों के ना रहने की सूचनाएं हर किसी को झकझोर रही हैं। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्जवल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान लील लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है। राजेंद्र नगर स्थिति कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में पानी भरने से हुई बच्चों की मौत को शायद ही कोई भूल पाया हो। मुखर्जी नगर की कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना को याद करके भी रोंगटे खड़े होते हैं।

इस तरह की प्रत्येक घटनाओं पर जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं का हमेशा से एक ही बयान होता है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, सख्त कार्रवाई होगी? इसके अलावा मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों की इलाज कराकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है और जब तक मीडिया में घटना की चर्चाएं होंगी, कार्रवाई के नाम पर सरकारी डंडा पीटा जाता रहेगा। शोर जैसे ही शांत होगा। जांच-पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएंगी। जमीदोज हुई बिल्डिंग में ज्यादातर विश्वविधायल में पढ़ने वाले और सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले मात्र 20-22 आयु के बच्चे रहते थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराए पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45 साल पुरानी बताई जाती है। जबकि, देखने में इससे भी कहीं पुरानी लगती थी। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमानत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर 'इंडियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेंस' ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया था कि 85 फीसदी पीजी बच्चों के रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हुकूमतों ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का तांडव किया गया था। दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के अधिकारियों ने घूस खाया। घटनास्थल साउथ दिल्ली का सत्य निकेतन क्षेत्र है जिसे डूब या निचला-धरातल क्षेत्र भी कहते हैं। वहां बिल्डिंग बनाने की मात्र ढाई मंजिला इजाजत होती है। पर, अधिकारियों ने घूस खाकर पांच मंजिला तक बनवा दिया। दिल दहला देने वाले हादसे को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबीन बने रहे। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमग्न हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल बजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई।

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं। शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर-दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। जहां हादसा हुआ, उस इलाके में तकरीबन घर पीजी में तब्दील हैं। पीजी के नाम पर बड़ा नेक्सस उस इलाके में चलता है जिसका मकान होता है वह खुद पीजी संचालित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य को ठेके पर दे देता है। ठेकेदार बच्चों को कमरों में भूसे की तरह ठूस देते हैं। जहां ना कोई सुविधा, न मानकों का इस्तेमाल, सिर्फ उन्हें कमाने से मतलब होता है।

हादसे वाली बिल्डिंग गिरने का संकेत कुछ वर्षों से दे रही थी? लेकिन ना मालिक ने गौर किया और ना ही अधिकारियों ने? पिछले साल तीसरे माले की सीढ़ियों की छत का उपरी हिस्सा गिरा था जिसे रिपेयर करवाकर संभावित हादसे पर पर्दा डाल दिया गया। बिल्डिंग में 50 के आसपास बच्चे रहते थे। सभी यूपी-बिहार राज्यों से वास्ता रखते हैं। हादसा रविवार को होता है जिस दिन ज्यादातर बच्चे अपने कमरों में थे क्योंकि उस दिन क्लासें और ट्यूशन की छुट्टी थी। शनिवार रात को बच्चे बेखौफ होकर सोए थे, उन्हें नहीं पता था कि अगले दिन उनके साथ क्या होने वाला है। कुछ बच्चों की जाने चली गई है? कई गंभीर रूप से घायल हैं। घटना निसंदेह दुखदायक है। हादसे की जिम्मेदारी अधिकारियों को लेना चाहिए और सीख लेकर भविष्य में इस तरह की बिल्डिंग को पहले ही जमींदोज करने का संकल्प भी लेना चाहिए।

राजस्थान में 'गुटबाजी राजनीति' के माहिर खिलाड़ी सचिन पायलट आखिर कैसे पंजाब कांग्रेस को एकजुट कर पाएंगे?

> कांग्रेस हाईकमान ने एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट को भूपेश बघेल की जगह पंजाब का प्रभारी बनाकर भेजा है। भूपेश बघेल को असम की जिम्मेदारी दी गई है। पंजाब में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस के पास अंदरूनी कलह सुलझाने के लिए बहुत अधिक समय नहीं है।

राजस्थान में एक समय बगावत का रायता फैलाने वाले सचिन पायलट आखिर पंजाब कांग्रेस को एकजुट कैसे रख पाएंगे? यह सवाल इसलिए अहम है क्योंकि राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट की खुली जंग का खामियाजा कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में उठाना पड़ा था। विडंबना देखिए, उस समय पंजाब के वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी थे। अब भूमिकाएं बदल चुकी हैं। सचिन पायलट पंजाब कांग्रेस के प्रभारी बन गए हैं और रंधावा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं तथा चन्नी गुट के साथ खड़े हैं। ऐसे में पायलट के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि जो नेता अपने गृह प्रदेश में गुटबाजी की आग को नहीं बुझा पाया, वह पंजाब में बिखरी कांग्रेस को कैसे एकजुट करेगा?

हम आपको बता दें कि कांग्रेस हाईकमान ने एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट को भूपेश बघेल की जगह पंजाब का प्रभारी बनाकर भेजा है। भूपेश बघेल को असम की जिम्मेदारी दी गई है। पंजाब में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस के पास अंदरूनी कलह सुलझाने के लिए बहुत अधिक समय नहीं है। ऐसे में 49 वर्षीय सचिन पायलट की नियुक्ति को कांग्रेस की ओर से एक बड़े राजनीतिक प्रयोग के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन सवाल उठता है कि राजस्थान का कभी का 'बागी' क्या अब पंजाब में 'शांतिदूत' की भूमिका निभा पाएगा?

देखा जाये तो सचिन पायलट का अपना राजनीतिक इतिहास इस जिम्मेदारी को और दिलचस्प बनाता है। 2014 में राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने संगठन को खड़ा किया और 2018 में पार्टी को सत्ता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सत्ता मिलते ही अशोक गहलोत और पायलट के बीच नेतृत्व, संगठन और राजनीतिक भविष्य को लेकर संघर्ष शुरू हो गया। जुलाई 2020 में यह संघर्ष खुली बगावत में बदल गया। पायलट अपने समर्थक विधायकों के साथ अलग हो गए, राज्य सरकार संकट में आई और उन्हें उपमुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटा दिया गया।

सचिन पायलट ने तब भाजपा में जाने से साफ इंकार किया था और कहा था कि उनकी लड़ाई कांग्रेस से नहीं, बल्कि गहलोत से है। वह कांग्रेस में रहे, लेकिन गहलोत-पायलट की प्रतिद्वंद्विता वर्षों तक पार्टी के लिए सिरदर्द बनी रही। बाद में सार्वजनिक तौर पर रिश्तों में नरमी दिखाई गई। 2025 में गहलोत ने यहां तक कहा कि "हम कब अलग थे?" लेकिन राजनीतिक इतिहास इतनी आसानी से मिटता नहीं। पायलट और गहलोत के बीच मतभेद खत्म होने के दावे के बावजूद समय-समय पर दोनों खेमों की दूरियां सामने आती रही हैं। राजनीति

यही नहीं, 2028 में होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनावों से पहले गहलोत-पायलट की प्रतिस्पर्धा फिर तेज हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जिस नेता ने अपने ही प्रदेश में मजबूत राजनीतिक गुट खड़ा किया और गुटबाजी को हवा दी, वह दूसरे प्रदेश में गुटबाजी खत्म करने का कौन-सा सफल फार्मूला अपनाएगा? हालांकि पंजाब में पायलट के अनुभव का दूसरा पहलू भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्वयं देखा है कि अनसुलझी नेतृत्व की लड़ाई किसी राज्य इकाई को कितना नुकसान पहुंचा सकती है। शायद इसी अनुभव के कारण हाईकमान उन्हें एक 'ऑर्गेनाइजेशनल फिक्सर' के तौर पर आजमा रहा है।

उधर, पंजाब कांग्रेस में संकट गंभीर है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व वाला एक गुट राजा वारिंग को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग करता रहा है। हाईकमान ने जुलाई में वारिंग को पद पर बनाए रखा और चन्नी को चुनाव अभियान समिति की कमान दी, लेकिन इससे असंतोष खत्म नहीं हुआ। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं बताए जाते। सुखजिंदर सिंह रंधावा और विजय इंदर सिंगला जैसे नेता भी वारिंग विरोधी खेमे में रहे हैं।

भूपेश बघेल इस खींचतान को खत्म नहीं कर पाए। उन पर वारिंग के ज्यादा करीब होने और निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने के आरोप लगे। उनके खिलाफ पंजाब के कुछ इलाकों में पोस्टर तक लगाए गए। अब पायलट की नियुक्ति को वारिंग विरोधी नेताओं को संतुष्ट करने की कोशिश माना जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि वारिंग, चन्नी और रंधावा, सभी ने पायलट की नियुक्ति का स्वागत किया है। लेकिन असली परीक्षा स्वागत संदेशों से नहीं होगी। सवाल यह है कि क्या चन्नी वारिंग को हटाने की मांग छोड़ेंगे? क्या बाजवा, रंधावा और अन्य वरिष्ठ नेता एक मंच पर वास्तविक रूप से साथ आएंगे? इसके साथ ही राहुल गांधी का प्रस्तावित पंजाब बस दौरा, सचिन पायलट की पहली बड़ी परीक्षा हो सकता है।

पायलट को केवल नेताओं की बैठकें नहीं करानी होंगी। उन्हें गुटों के बीच भरोसा पैदा करना होगा, टिकट वितरण को नए संघर्ष का कारण बनने से रोकना होगा और महत्वाकांक्षी नेताओं को समझाना होगा कि एक-दूसरे को कमजोर करने से अधिक नुकसान कांग्रेस का होगा।

2027 में कांग्रेस का मुकाबला भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार से है। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के संभावित गठजोड़ से मुकाबला और जटिल हो सकता है। क्षेत्रीय राजनीतिक ताकतें भी समीकरण बदल सकती हैं। इसलिए पंजाब सचिन पायलट के लिए महज एक नई जिम्मेदारी नहीं है। यह उनकी राजनीतिक परिपक्वता की सबसे कठिन परीक्षा है। राजस्थान में वह कभी कांग्रेस के भीतर बगावत का चेहरा बने थे, पंजाब में उन्हें समझौते और एकजुटता का चेहरा बनना है। देखना होगा कि क्या पायलट अपने अतीत से सबक लेकर पंजाब कांग्रेस को जोड़ पाएंगे, या पंजाब की गुटबाजी साबित करेगी कि कांग्रेस के भीतर कुछ दरारें इतनी गहरी हैं जिन्हें कोई भी प्रभारी भर नहीं सकता?

• नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या मंशा है ट्रंप की?

ईरान युद्ध के छह माह के दौरान 10 लाख से अधिक भारतीयों को खाड़ी देशों से वापस घर आना पड़ा है। वे अचानक बेरोजगार हो गए हैं। खाड़ी देशों में काम करते हुए भारतीय करीब 51-54 अरब अमरीकी डॉलर अपने घरों को भेजते रहे हैं। यह औसत अब काफी कम हो सकता है। खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में, लंबे वक्त से, काम कर रहे हैं। अचानक थोपे गए युद्ध ने बहुत कुछ अस्थिर, अनिश्चित कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद है और उस पर ईरान की आईआरजीसी का पूर्ण नियंत्रण है। राष्ट्रपति ट्रंप सपने देखते रहते हैं, लिहाजा यह बयान भी अटपटा नहीं लगना चाहिए कि उन्होंने कहा है कि होर्मुज का नाम बदल कर 'ट्रंप स्ट्रेट' कर देना चाहिए। बहरहाल होर्मुज से कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति नगण्य है। कतर, कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात को भारत जो इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात करता था, वह लगभग ठप हो गया है। बासमती चावल, केला, नारियल और चाय पत्ती आदि का निर्यात भी 50 फीसदी तक गिर गया है। यह आर्थिक नुकसान, अंततः, भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। अब भारत एलपीजी और एलएनजी का, अमरीका से, सबसे बड़ा आयातक बन गया है। भारत ने कुल 11 लाख टन एलपीजी का आयात किया है, जिसमें अमरीका की हिस्सेदारी करीब 6 लाख टन है। अमरीका से ही एलएनजी का आयात भी 38 फीसदी से अधिक है। कभी कतर हमें 43-45 फीसदी एलएनजी की आपूर्ति करता था। अमरीकी गैस महंगी भी पड़ती है, लेकिन मजबूरी है कि इतने विशाल देश की खपत के लिए पर्याप्त गैस भी अनिवार्य है। अमरीकी पाबंदियों के बावजूद भारत ने जून-जुलाई में रूस से औसतन 26-28 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा है।

यह हिस्सेदारी 50-55 फीसदी है। तेल-गैस का कारोबार बढ़ने और वेनेजुएला के तेल पर 'अवैध' कब्जा करने के बावजूद अमरीका पर कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह चीन, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन और भारत की साझा, कुल अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक है। यह कर्ज प्रत्येक अमरीकी पर करीब 1,19,000 डॉलर का है और प्रत्येक घर पर करीब 3 लाख डॉलर का कर्ज है। राष्ट्रपति ट्रंप इसे पिछले 35 साल का कर्ज मानते हैं और अपने कार्यकाल के दौरान कर्ज को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। बहरहाल युद्ध में संहारक प्रहार वाली, इंटरसेप्टर मिसाइलों-पैट्रियट और थाड-की कमी 50-65 फीसदी है। उत्पादन के पुराने स्तर तक लौटने में सालों लगेंगे, लेकिन फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। या यूं कहें कि वह ऐसे 'चक्रव्यूह' में फंस गए हैं कि युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं दिख रहा। अब राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान में तख्तापलट की साजिशों में जुटे हैं। किसका तख्तापलटचुनी हुई सरकार का अथवा खामेनेई और आईआरजीसी के नेतृत्व का! नेतन्याहू ने ट्रंप को आश्वस्त किया है कि उन्होंने पूरे तंत्र को निर्देश दे दिए हैं कि ईरान में तख्तापलट करना है। दोनों नेताओं के सामने यह मकसद तब भी था, जब 28 फरवरी को उन्होंने ईरान पर हवाई हमलों की बौछार कर दी थी। वे ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके 45-48 सिपहसालारों, कमांडरों की हत्याएं ही कर पाए। अलबत्ता ईरान में हुकूमत यथावत है और आज मुज्तबा खामेनेई ईरान के सुप्रीम लीडर हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ ईरानी अवाम को 'विद्रोह' के लिए भडक़ा रहे हैं, उन्हें हथियार मुहैया कराने का लालच भी दे रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ सिरिक क्षेत्र में एक शादी समारोह के घर पर हमला कर और उस दिन कुल 20 हत्याएं करा 'शैतानियत' पर उतारू लग रहे हैं। यह विशेषण ईरानी संसद के स्पीकर कालीबाफ ने इस्तेमाल किया है।

जनरल नॉलेज

इंसान कितनी ऊंची इमारत बना सकता है, कहां ठहर जाती है इंजीनियरिंग?

राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत गिरने से हुआ दर्दनाक हादसा इमारतों की सुरक्षा और निर्माण गुणवत्ता पर गहरे सवाल खड़े करता है. इस हादसे की वजह बेसमेंट में चल रहा अवैध बदलाव और लापरवाही मानी जा रही है. जब भी कोई ऐसी घटना होती है, तो यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर इंसान मजबूती और ऊंचाई के किस पैमाने तक निर्माण कर सकता है. क्या सचमुच बिल्डिंगों के आकाश को छूने की कोई सीमा है या इंजीनियरिंग के सामने कोई ऐसा अदृश्य बैरियर है, जिसे लांघना फिलहाल नामुमकिन है? आइए समझ लेते हैं.

सबसे ज्यादा ऊंचाई वाली बिल्डिंग की वर्तमान स्थिति - आज के दौर में गगनचुंबी इमारतों का जिक्र आते ही संयुक्त अरब अमीरात का नाम सबसे पहले आता है. दुबई में स्थित 828 मीटर ऊंचा बुर्ज खलीफा वर्तमान में पूरी दुनिया की सबसे ऊंची मानव निर्मित संरचना है. इसके बाद सऊदी अरब में जेद्दा टावर के जरिए 1 किलोमीटर (1,000 मीटर) की ऊंचाई का आंकड़ा पार करने का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट शुरू किया गया था. हालांकि, यह परियोजना तकनीकी और वित्तीय जटिलताओं के कारण बीच में ही रुक गई. यह घटना दर्शाती है कि कागज पर बनी योजनाएं जमीन पर उतारते समय किस कदर मुश्किलों से घिर जाती हैं.

इंजीनियरिंग की सीमाएं - सैद्धांतिक रूप से इंसान अल्ट्रा-हाई स्ट्रेंथ कंक्रीट और बेहद हल्के एवं मजबूत नए पदार्थों की मदद से 1600 से 3200 मीटर या 4 किलोमीटर तक ऊंची इमारतें बना सकता है. लेकिन व्यावहारिक धरातल पर सबसे पहली रुकावट खुद इमारत का वजन बन जाता है. जैसे-जैसे ढांचा ऊपर जाता है, उसके नीचे की मंजिलों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है. एक खास बिंदु के बाद कंक्रीट और स्टील अपने ही भार से टूटने और दबने लगते हैं, जिससे पूरा ढांचा कमजोर पड़ जाता है.

हवा की प्रचंड ताकत सबसे बड़ा खतरा - गगनचुंबी इमारतों के लिए गुरुत्वाकर्षण से भी बड़ा दुश्मन हवा का दबाव होता है. धरातल से सैकड़ों मीटर ऊपर हवा की गति इतनी भीषण होती है कि वह पूरी इमारत को हिला सकती है. बुर्ज खलीफा के चीफ स्ट्रक्चरल इंजीनियर बिल बेकर के अनुसार, इमारतों का आकार इस तरह तय करना पड़ता है कि हवा का प्रभाव बिखर जाए. इसी चुनौती से निपटने के लिए ब्रेट्रेस्ड कोर तकनीक खोजी गई. इस प्रणाली में बीच में एक सेंट्रल कंक्रीट कोर होता है, जिससे तीन पंख जुड़े होते हैं. यह ढांचा हवा के दबाव को बांटकर इमारत को स्थिरता प्रदान करता है.

लिफ्ट और बुनियादी सुविधाओं की बाधा - केवल बाहरी ढांचा खड़ा कर देना ही काफी नहीं होता, बल्कि इमारत के भीतर इंसानी जीवन को सुचारू बनाना भी उतना ही जटिल है. मौजूदा तकनीक की केबल वाली लिफ्ट्स 500 से 1000 मीटर से ज्यादा लंबी यात्रा एक बार में नहीं कर सकतीं.

टेक्नोलॉजी

भारत में 6G नेटवर्क की तैयारी, दुनिया के इन 25 देशों में भी बढ़ा कदम?

5G अभी पूरी तरह पुराना भी नहीं हुआ है और टेक्नोलॉजी की दुनिया ने 6G की तैयारी शुरू कर दी है. भारत भी इस अगली पीढ़ी के नेटवर्क को लेकर पीछे नहीं है. देश अब अमेरिका की अगुवाई वाली एक ग्लोबल 6G पहल में शामिल हो गया है. इस पहल में अमेरिका के साथ 24 अन्य देश पहले से जुड़े हैं. भारत के शामिल होने के बाद कुल 26 सरकारें इस प्रयास का हिस्सा हो गई हैं. इसका मकसद 6G नेटवर्क के विकास को ऐसी दिशा देना है, जिसमें सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी, आपसी तालमेल और इनोवेशन जैसे मुद्दों पर मिलकर काम किया जा सके.

6G की ग्लोबल पहल में भारत की एंट्री - अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने भारत के इस पहल में शामिल होने की जानकारी दी है. G20 इनोवेशन मिनिस्टीरियल के दौरान भारत के वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक से मुलाकात की, दोनों के बीच 6G टेक्नोलॉजी के भविष्य को लेकर चर्चा हुई.

अमेरिकी वाणिज्य विभाग के मुताबिक, इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अगली पीढ़ी के नेटवर्क देशों के साझा सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए विकसित हों. इसके साथ ही 6G में इनोवेशन और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जाएगा.

दुनिया के इन 25 देशों में भी बढ़ा कदम? - इस पहल में भारत के अलावा अमेरिका और 24 अन्य देश शामिल हैं. ऐसे में भारत के जुड़ने के बाद कुल 26 सरकारें इस 6G पहल का हिस्सा हैं. जिसमें शुरुआती 25 देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, फिनलैंड और स्वीडन समेत अन्य देश शामिल हैं. इस पहल का फोकस 6G नेटवर्क की सुरक्षा, आपसी तालमेल, प्रतिस्पर्धा और इनोवेशन को बढ़ावा देना है.

नेटवर्क सिक्योरिटी और AI पर भी फोकस - इस अंतरराष्ट्रीय पहल में शामिल देश 6G नेटवर्क की सुरक्षा, आपसी तालमेल और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मुद्दों पर सहयोग करेंगे. साथ ही नेटवर्क को विकसित और संचालित करने में AI की भूमिका पर भी चर्चा होगी. भारत के लिए इसका मतलब यह है कि उसे भविष्य के 6G नेटवर्क से जुड़े अंतरराष्ट्रीय नियमों और तकनीकी दिशा पर होने वाली बातचीत में अपनी प्राथमिकताएं रखने का अवसर मिलेगा.

सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर पर भी बातचीत - G20 इनोवेशन मिनिस्ट्रियल के दौरान भारत और अमेरिका के बीच 6G के अलावा सेमीकंडक्टर, AI और डेटा सेंटर जैसे अहम टेक्नोलॉजी सेक्टर पर भी चर्चा हुई. भारत ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 में अमेरिकी निवेश बढ़ाने का प्रस्ताव रखा. साथ ही दोनों देशों ने AI टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाने और AI के सुरक्षित इस्तेमाल से जुड़े नियमों पर भी बातचीत की.

भारत का अपना 6G मिशन भी जारी - ग्लोबल पहल में शामिल होने के साथ भारत अपने घरेलू 6G कार्यक्रम पर भी काम कर रहा है. भारत 6G मिशन और भारत 6G अलायंस के जरिए नई टेक्नोलॉजी विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. भारत 6G अलायंस ने 2030 तक देश में 6G तकनीक शुरू करने का लक्ष्य रखा है.

मक्का समझौते के बाद तुर्की SCO सदस्यता के लिए बेचैन, क्या पाकिस्तान के दोस्त को भारत देगा मंजूरी ?

एजेंसी अंकारा

तुर्की पिछले कुछ वर्षों से अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान को स्थापित करने की कोशिश में है। यह देश पहले से ही दुनिया के सबसे शक्तिशाली सैन्य संगठन नाटो (NATO) का सदस्य है। इसके बावजूद उसने दुनिया की सबसे अग्रणी ड्रोन इंडस्ट्री तैयार की है। आज तुर्की के बनाए मिलिट्री ड्रोन दर्जनों देशों में उड़ान भर रहे हैं। तुर्की ने पाकिस्तान और सऊदी अरब के साथ मिलकर मक्का संयुक्त रक्षा समझौता किया है। इस समझौते में नाटो (NATO) जैसी शर्त जुड़ी है कि किसी एक देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा। अब यह देश शंघाई सहयोग संगठन में शामिल होने की कोशिश कर रहा है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक हाल ही में किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित की गई थी। इस शिखर सम्मेलन में तुर्की के राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन ने तुर्की के लिए एससीओ की पूर्ण सदस्यता हासिल करने की इच्छा जताई है। समिट से लौटने के बाद एर्दोगन ने एक बयान में कहा कि तुर्की एससीओ के साथ संबंधों को उच्च स्तर तक ले जाना चाहता है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि एससीओ की सदस्यता चाहने का यह मतलब नहीं है कि वह नाटो (NATO) या पश्चिमी देशों से अपने संबंध तोड़ रहा है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की पूर्ण सदस्यता पाने के लिए किसी देश को मौजूदा सदस्य देशों की सहमति, संगठन के नियमों का पालन और एक निर्धारित कूटनीतिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इच्छुक देश को एससीओ के पास औपचारिक रूप से सदस्यता के लिए आवेदन करना होता है।नए देश को एससीओ के चार्टर (संविधान), संधियों और समझौतों का पूरी तरह पालन करना जरूरी होता है। एससीओ का कोई भी नया सदस्य सभी मौजूदा सदस्य देशों की आपसी सहमति (कंसेंसस) के बाद ही शामिल किया जाता है।

तुर्की की पाकिस्तान के साथ दोस्ती जगजाहिर है। वह संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत के विरोध में कश्मीर मुद्दे को कई बार उठा चुका है। इतना ही नहीं, तुर्की लंबे समय से पाकिस्तान का सैन्य साझेदार है। 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के वक्त भी तुर्की ने पाकिस्तान की खुलकर मदद की थी। ऐसे में भारत कभी नहीं चाहेगा कि एससीओ में पाकिस्तान समर्थित देशों की संख्या बढ़े और तुर्की इसमें शामिल हो। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत खुलकर तुर्की की एससीओ सदस्यता का विरोध कर सकता है। ऐसे में तुर्की के लिए एससीओ की सदस्यता खतरे में पड़ सकती है।

कोर कमांडर स्तर के अधिकारियों के बीच भारत-चीन की बैठक शुरू होगी 2 नई हॉटलाइन

एजेंसी लद्दाख

अरुणाचल प्रदेश की बर्फीली चोटियों के बीच एलएसी पर भारत और चीन संबंधों को लेकर एक बड़ी हलचल देखने को मिली है। जहां पर नई दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जहां खुद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आने की संभावनाएं हैं। उससे ठीक पहले ही भारतीय सेना और चीन की पीएलए के बीच एक अहम बैठक देखने को मिली है। यह बैठक कोर कमांडर स्तर के अधिकारियों के बीच हुई है। इससे पहले भी भारत और चीन के कोर कमांडरों की बैठक होती रही है। लेकिन वह तमाम बैठकें लद्दाख में हुआ करती थी। इस बार यह बैठक अरुणाचल प्रदेश के उस सेक्टर में हुई है। जहां से पिछले कुछ समय में तनाव की खबरें भी हैं। दरअसल भारत और चीन के बीच अब तक कोर कमांडर सर की ज्यादातर बैठकें लद्दाख के चुशूल और मोल्डो पॉइंट पर होती थी। लेकिन इस बार इतिहास में पहली बार अरुणाचल प्रदेश के वाचा दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर यह उच्च स्तरीय वार्ता हुई है।

प्रवासीनेटवर्क जुड़ें

इस बैठक का नेतृत्व भारतीय सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया जो कि नागालैंड के दीमापुर स्थित थ्री कोर यानी कि स्पेयर कॉप्स के कमांडर है। यह वही कोर है जो अरुणाचल के संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालती है। वहीं चीन की ओर से भी कोर कमांडर सर के अधिकारी इस बैठक में मौजूद रहे। यह जो बातचीत है यह ऐसे समय में हुई है जब अरुणाचल के दक्षिण जैसे दूरदराज के इलाके में दोनों सेनाओं के बीच तनातनी की खबरें हैं। साथ ही में 12 और 13 सितंबर को दिल्ली में 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। जहां पर शी जिनपिंग के भारत आने की संभावनाएं हैं। और हाल ही में बीजिंग में दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच 25वें दौर की बातचीत भी हुई थी। जहां पर खुद एनएसए अजीत डोवाल पहुंचे थे। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री के साथ मुलाकात की थी। जिसमें सीमा प्रबंधन सुधारने के आठ बिंदुओं पर दोनों देशों के बीच सहमति बनी थी और अब यह कोर कमांडर स्तर की बैठक भी अरुणाचल प्रदेश में अंजाम दी गई है। इस बड़ी बैठक के बाद जो सबसे बड़ा नतीजा लिया गया है वो यह है कि दो नई मिलिट्री हॉटलाइंस को स्थापित किया जाएगा। सीमा पर अक्सर गलतफहमी के कारण विवाद बढ़ सकता है। इसलिए अब भारतीय सेना की ईस्टर्न और सेंट्रल कमांड सीधे चीनी कमान से फोन लाइन के जरिए जुड़ जाएगी। इसका मतलब यह होगा कि अगर बॉर्डर पर कोई भी हलचल होती है तो कमांडर्स एक दूसरे को फोन घुमाकर विवाद को बढ़ाने से पहले ही सुलझा सकते हैं। इस संदेश की देरी और किसी भी तरीके की फेस ऑफ को रोकने में बड़ा प्रभावी साबित हो सकता है और दोनों ही राष्ट्र एलएसी पर तनाव को कम करने के लिए सजग दिख रहे हैं। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सीमा पर शांति और स्थिरता नहीं होगी तब तक द्विपक्षीय रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने हाल ही में तीन कोर मुख्यालय का दौरा भी किया था और वहां पर तैयारियों का जायजा लिया था। वहीं तेजपुर से चार कोर और रंगपारा स्थित थ्री कोर दोनों ही को अरुणाचल की 10126 कि.मी. लंबी एलएसी पर मुस्तैद रहना है।

पाकिस्तान को मिला नया हथियार, पहली बार दिखाया चीनी HQ-17AE एयर डिफेंस सिस्टम, कितना शक्तिशाली

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान वायु सेना ने सोमवार को X पर पोस्ट किए गए एक प्रचार वीडियो में चीन के HQ-17AE एयर डिफेंस सिस्टम को प्रदर्शित किया है। यह पहला मौका है, जब पाकिस्तान ने कबूल किया है कि HQ-17AE एयर डिफेंस सिस्टम ऑपरेशनल है। चीन ने भी इसकी पुष्टि की है। ग्लोबल टाइम्स के बात करते हुए एक चीनी सैन्य मामलों के विशेषज्ञ ने कहा कि पाकिस्तान इस एयर डिफेंस सिस्टम का पहला ग्राहक और अंतरराष्ट्रीय उपयोगकर्ता बन गया है। उन्होंने आशा जताई कि यह सिस्टम पाकिस्तान के शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस में मौजूदा कमी को दूर करने और ड्रोन जैसे कम ऊंचाई पर उड़ने वाले खतरों का मुकाबला करने में मदद करेगा।

चीनी सैन्य मामलों के विशेषज्ञ वांग युनफेई ने ग्लोबल टाइम्स को बताया कि पाकिस्तान पहले से चीन की HQ-9 लॉन्ग रेंज एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल करता है। इसमें HQ-9/P और HQ-9BE वेरिएंट शामिल हैं। इसके अवाला पाकिस्तान ने पाकिस्तान ने चीन के HQ-16 सीरीज के एयर डिफेंस सिस्टमों को भी तैनात किया है, जिनमें LY-80 से लेकर एक्सटेंडेड रेंज के HQ-16FE/AE तक शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि ये सिस्टम पाकिस्तानी सेना और वायुसेना के लॉन्ग रेंज एयर डिफेंस नेटवर्क की रीढ़ हैं।

चीन ने HQ-17AE एयर डिफेंस सिस्टम को ग्वांगडोंग प्रांत के झूहाई में आयोजित 13वें चीन अंतर्राष्ट्रीय विमानन और अंतरिक्ष प्रदर्शनी (एयरशो चाइना 2021) में प्रदर्शित किया था। यह चीन का स्वदेशी रूप से विकसित एक मल्टीरिएक्टिव एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम है। इसे चीन की सरकारी स्वामित्व वाली एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन (CASIC) की दूसरी अकादमी ने विकसित किया है। यह सिस्टम लंबे समय तक हवा में मंडराने वाले लक्ष्यों को रोकने और स्वार्म हमलों का सामना करने में सक्षम है।

यह सिस्टम एक हाई मोबिलिटी पहिएदार ऑफ रोड चेचिस पर फिक्स है। ऐसे में इसे एक जगह से दूसरी जगह तैनात करना आसान है। HQ-17AE उन्नत तकनीकों का उपयोग करता है, जिसमें ऑल-सॉलिड-स्टेट फेज्ड ऐरे रडार, वर्टिकल कोल्ड लॉन्च मिसाइल सिस्टम, डायरेक्ट फोर्स फास्ट टर्न सिस्टम और घूमने योग्य टेल विंग शामिल हैं। इससे इस एयर डिफेंस सिस्टम के रिएक्शन टाइम काफी कम हो जाता है और यह दुश्मन के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वारफेयर को भी भेदने में सक्षम है।

चीन का दावा है कि HQ-17AE एक जगह से दूसरी जगह चलते समय भी लॉन्च किया जा सकता है और युद्ध क्षेत्र में अन्य वाहनों के नेटवर्क के साथ जुड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्येक HQ-17AE वाहन आठ मिसाइलें ले जा सकता है और एक साथ चार लक्ष्यों पर हमला करने के लिए चार मिसाइलों को गाइड करने में सक्षम है, क्योंकि इसमें कई लक्ष्यों को रोकने की उत्कृष्ट क्षमता है।

लद्दाख के करीब चीन की नई चाल, लोप नूर में बनाया सीक्रेट टेस्ट एयरबेस, 6th-Gen लड़ाकू विमानों की तैनाती

एजेंसी बीजिंग

चीन अपने पश्चिमी रेगिस्तानी इलाके में एक फ्लाइट-टेस्ट फैसिलिटी का विस्तार कर रहा है। इसका उद्देश्य अपने नेक्स्ट जेनरेशन के मिलिट्री एयरक्राफ्ट के डेवलपमेंट में तेजी लाना है। चीन ने हाल के समय में छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों का निर्माण किया है, लेकिन ये अभी टेस्टिंग फेज में है। ऐसे में चीन उन्हें एक सीक्रेट लोकेशन पर टेस्ट करना चाहता है, ताकि वे दुनिया की नजरों से बची रह सकें। चीन लंबे समय से अमेरिका के अडवांस्ड एयर पावर पर बढ़त पाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन, भारत के लद्दाख से इस टेस्टिंग फैसिलिटी की नजदीकी के कारण भारत की चिंता भी बढ़ सकती है। SCMP के अनुसार, शिनजियांग में लोप नूर फैसिलिटी की सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि वहां चार बड़े हैंगर, नए टैक्सीवे, एक गोल पैड (जिसके बारे में माना जाता है कि यह इंजन टेस्टिंग या एयरक्राफ्ट के टर्नअराउंड के लिए है) और फ्यूल-स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है। यह विस्तार चीन के कई एडवांस्ड कॉम्बैट-एयरक्राफ्ट प्रोग्राम्स को एक साथ आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि लोप नूर के दूरदराज के इलाके में स्थित होने के कारण चीन अपनी संवेदनशील डिजाइनों की टेस्टिंग करने और आम निगरानी से दूर रखने में कामयाब रहेगा। US नेवी के पूर्व इंटेलिजेंस ऑफिसर और मिशेल इंस्टीट्यूट में एयरोस्पेस और चीन स्टडीज के सीनियर फेलो जे माइकल डाहम ने SCMP को बताया कि इस साइट पर निर्माण अगस्त 2025 के आसपास शुरू हुआ था, जो उसी समय हुआ जब वहां पहली बार बिना पूंछ वाला एयरक्राफ्ट देखा गया था, जिसे व्यापक रूप से चीन का J-36 छठी पीढ़ी का फाइटर माना जाता है।

डाहम ने कहा, "सत्रह दिन बाद, एक और अगली पीढ़ी का एयरक्राफ्ट, जिसे आमतौर पर J-XDS या J-50 कहा जाता है, उस साइट पर देखा गया।"

डाहम के अनुसार, इस साल फरवरी तक, फैसिलिटी में लगभग 60,000 वर्ग फुट (5,570 वर्ग मीटर) हैंगर स्पेस और 300,000 वर्ग फुट से ज्यादा अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर जोड़ा गया था। इससे लोप नूर बेस का कुल आकार लगभग दोगुना हो गया। उन्होंने कहा कि नए निर्माण में टेस्टिंग और इवैल्यूएशन जोन के साथ-साथ कर्मचारियों के रहने की जगह भी शामिल है। SCMP की रिपोर्ट के अनुसार, इस साइट पर पहले से ही 5-किमी (3.1-मील) का रनवे था और यह कम से कम 2020 से चीन के दोबारा इस्तेमाल होने वाले स्पेसक्राफ्ट प्रोग्राम से जुड़ी हुई थी। H-20 स्टील्थ बॉम्बर की टेस्टिंग करेगा चीन लोप नूर के विस्तार को देखते हुए माना जा रहा है कि चीन H-20 स्टील्थ स्ट्रैटेजिक बॉम्बर का भी परीक्षण कर सकता है। इस विमान को सार्वजनिक रूप से कभी पेश नहीं किया गया है। हालांकि, लोप नूर एयरबेस पर नए इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े पैमाने को देखते हुए माना जा रहा है कि यह फैसिलिटी भविष्य में H-20 प्रोग्राम को सपोर्ट कर सकती है। द वॉर जोन के अनुसार, साइट के दक्षिणी एप्रन पर बने तीन हैंगर में से हर एक का साइज लगभग 80 गुणा 40 मीटर (262 गुणा 131 फीट) है। ये इतने बड़े हैं कि इनमें PLA के पास मौजूद कोई भी एयरक्राफ्ट आ सकता है, जिसमें H-6 स्ट्रैटेजिक बॉम्बर भी शामिल है।

'विवादों में आई कंपनी से कोई संबंध नहीं', रक्षा मंत्रालय ने बनाई दूरी; एस्टोनिया के रक्षा मंत्री ने दिया था इस्तीफा

एजेंसी नई दिल्ली

एस्टोनिया के रक्षा मंत्री के इस्तीफे से विवादों में आई भारतीय कंपनी से रक्षा मंत्रालय ने दूरी बना ली है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि इस कंपनी से न तो मंत्रालय का न कोई संबंध है ना ही कारोबार।

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक NECO Defence नागपुर की एक पुरानी और जानी-मानी स्टील बनाने वाली कंपनी का हिस्सा है। हाल ही में कंपनी ने इटली की छोटे हथियार और गोला-बारूद बनाने वाली कंपनी Datasel को खरीदा है। कंपनी की रोमानिया में भी एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है। वहां उसे तोप के गोले भरने का एक कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इन गोलों की सप्लाई एस्टोनिया को की जानी है, जो आगे इन्हें यूक्रेन को देगा।

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक भारतीय सशस्त्र बलों के साथ कंपनी का कोई कारोबार या सप्लाई ऑर्डर नहीं है। हालांकि कंपनी की वेबसाइट पर दावा किया गया है कि उसने कुछ राज्य पुलिस बलों को सप्लाई की है।

एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हैनो पेवकुर ने पिछले हफ्ते एक रक्षा खरीद घोटाले में फंसने के बाद इस्तीफा दे दिया था। यूरोपीय संघ से वित्तपोषित 70 मिलियन यूरो यानी लगभग 770 करोड़ रुपये की इस रक्षा डील में यूक्रेन की मदद के लिए गोला-बारूद खरीदे जाने थे। इसमें एक भारतीय मालिकाना हक वाली कंपनी शामिल थी। एस्टोनिया के अखबार ईस्टी एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि 2024 में एस्टोनिया ने डेटासेल एसआरएल के साथ गोला-बारूद खरीदने के लिए डील की थी, जिसकी मालिक भारतीय कंपनी नेको डिफेंस म्यूनिशन्स है।

सिंगापुर प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की कड़े शब्दों में चेतावनी, भारतीयों के खिलाफ Racism किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं

एजेंसी सिंगापुर शहर

सिंगापुर सरकार ने नेपाल-तिब्बत में आई बाढ़ और एयर इंडिया में सिंगापुर एयरलाइंस (SIA) के निवेश को लेकर ऑनलाइन भारतीयों के खिलाफ नस्लवादी और विदेशियों के प्रति नफ़रत भरी बातों के बढ़ते मामलों पर कार्रवाई करने का वादा किया है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और गृह मंत्री के. षणमुगम, दोनों ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसी बातों को बिना रोके चलने दिया गया, तो इससे नस्लीय भेदभाव आम हो सकता है और शहर-देश में बड़ी सावधानी से बनाए रखे गए अलग-अलग नस्लों के बीच के भाईचारे को खतरा हो सकता है। प्रधानमंत्री वोंग ने रविवार (6 सितंबर) को कहा कि सिंगापुर को "किसी भी समुदाय के प्रति भेदभाव को कभी भी स्वीकार्य या सामान्य नहीं होने देना चाहिए"। उन्होंने यह बात तब कही जब दो मुद्दों पर ऑनलाइन चर्चाओं ने एक बहुत बुरा रूप ले लिया। सिंगापुर के प्रधानमंत्री का यह बयान गृह मंत्री शनमुगम (जो भारतीय मूल के हैं) के उस बयान के एक दिन बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पुलिस नस्लभेदी और विदेशियों के प्रति नफ़रत भरी उन टिप्पणियों की जांच कर रही है जो शर्मनाक, घिनौनी और पूरी तरह से अस्वीकार्य" थीं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की ये टिप्पणियां भारतीयों के खिलाफ ऑनलाइन पोस्ट की जा रही नफ़रत भरी टिप्पणियों के जवाब में आईं। ये टिप्पणियां 26 अगस्त को नेपाल में आई अचानक बाढ़ (जिसमें सिंगापुर के नौ लोग लापता हो गए थे) और एयर इंडिया द्वारा अपने शेयरधारकों (जिनमें से एक SIA है) से लगभग 1.5 अरब डॉलर की मांग करने की खबरों के बाद की जा रही थीं। शानमुगम ने लापता सिंगापुर के नागरिकों के बारे में ऑनलाइन की गई कई टिप्पणियों का ज़िक्र किया, जिनमें नहीं, वे हमारे अपने नहीं हैं" जैसी बातें और ऐसे सुझाव शामिल थे कि बचाव कार्य रोक दिया जाना चाहिए क्योंकि प्रभावित लोग भारतीय लग रहे थे। उन्होंने बताया कि एक टिप्पणी में इस्तेमाल किया गया शब्द "ABNN" भारतीयों के लिए एक अपमानजनक शब्द है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग ने रविवार को कहा कि सिंगापुर को "किसी भी समुदाय के प्रति भेदभाव को कभी भी स्वीकार्य या सामान्य नहीं बनने देना चाहिए। सिंगापुर के ब्रॉडकास्टर 'चैनल न्यूज़एशिया' (CNA) के अनुसार, वोंग ने कहा, "हम मज़बूत बहस कर सकते हैं और हमें करनी भी चाहिए। लेकिन हमें कभी भी सही लगने वाले तर्कों का इस्तेमाल किसी समुदाय के प्रति भेदभाव या विदेशियों के प्रति नफ़रत फैलाने के लिए नहीं करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद लापता हुए नौ सिंगापुरवासियों में से कुछ के बारे में हुई चर्चाओं में नस्लवादी टिप्पणियां सामने आईं, जबकि एयर इंडिया में SIA के निवेश से जुड़े सवालों के साथ-साथ भारत-विरोधी अपशब्द भी कहे गए। वोंग ने ज़ोर देकर कहा कि ऐसी सोच पूरे सिंगापुर का प्रतिनिधित्व नहीं करती, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि इन्हें सिर्फ़ ऑनलाइन होने वाली मामूली बातचीत कहकर नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, अगर ऐसे व्यवहार पर रोक नहीं लगाई गई, तो यह सामान्य हो सकता है, समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ा सकता है और हमें एक-दूसरे से दूर कर सकता है।" उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने इन घटनाक्रमों पर कैबिनेट के सहयोगियों के साथ चर्चा की है।

बाइलेटरल सीरीज की जगह 3 या 4 देशों का टूर्नामेंट कराने की तैयारी

भारत-पाकिस्तान की टक्कर के लिए ICC का मास्टरप्लान! सितंबर में होगी अहम बैठक

यूएई इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में मुकाबलों की मेजबानी पर नजर

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि दुनिया भर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद खास मौका होता है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली जा रही है। ऐसे में जब भी भारत और पाकिस्तान की टीमें मैदान पर आमने-सामने आती हैं, मुकाबले को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिलता है। अब क्रिकेट प्रशंसकों के लिए इसी रोमांच को और बढ़ाने वाली एक बड़ी खबर सामने आ रही है।

आईसीसी भारत और पाकिस्तान को नियमित रूप से आमने-सामने लाने के लिए एक नए मॉडल पर विचार कर रही है। इसके तहत द्विपक्षीय सीरीज की जगह तीन देशों या चार देशों वाले बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अगर यह योजना आगे बढ़ती है तो आने वाले वर्षों में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबलों की संख्या बढ़ सकती है। आईसीसी की ओर से 22 और 23 सितंबर को दुबई में एक विशेष सेमिनार आयोजित किया जाना है। इस बैठक में दुनिया के सभी 12 टेस्ट खेलने वाले देशों के क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। बैठक का एक अहम मुद्दा 2027 से 2031 के बीच प्रस्तावित फ्यूचर टूर प्रोग्राम के तहत नए तरह के बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों का आयोजन होगा। आईसीसी के स्तर पर तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज और चार देशों के टूर्नामेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होने की संभावना है।

सीधी सीरीज में अड़चन, टूर्नामेंट में रास्ता आसान

भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध लंबे समय से बंद हैं। दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ अलग से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलती। भारत सरकार और बीसीसीआई की मौजूदा नीति के चलते निकट भविष्य में भी सीधे तौर पर ऐसी सीरीज आयोजित होना मुश्किल माना जाता है। हालांकि, बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट का प्रारूप इस समस्या का एक संभावित रास्ता निकाल सकता है। अगर भारत और पाकिस्तान किसी तीन या चार देशों के टूर्नामेंट का हिस्सा बनते हैं तो दोनों टीमों का मुकाबला उसी प्रतियोगिता के कार्यक्रम के तहत कराया जा सकता है। इससे अलग से द्विपक्षीय सीरीज आयोजित करने की जरूरत नहीं होगी।

तीसरे देश में हो सकते हैं मुकाबले

भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए दोनों टीमों के मुकाबले किसी तटस्थ देश में आयोजित किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश संभावित मेजबान के तौर पर चर्चा में हो सकते हैं। इन देशों में बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आयोजन का अनुभव भी है और भारत-पाकिस्तान मैच के लिए बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की संभावना रहती है। खासकर दुबई में पहले भी दोनों देशों के बीच कई हाई-वोल्टेज मुकाबले खेले जा चुके हैं।

2012-13 के बाद नहीं हुई द्विपक्षीय सीरीज

भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2012-13 में हुई थी। उस दौरान पाकिस्तान की टीम ने भारत का दौरा किया था और दोनों देशों के बीच सीमित ओवरों की सीरीज खेली गई थी। इसके बाद से दोनों टीमों के बीच नियमित द्विपक्षीय क्रिकेट पूरी तरह बंद है। हालांकि, आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट और एशिया कप जैसे आयोजनों में दोनों टीमें आमने-सामने आती रही हैं। इन मुकाबलों को लेकर स्टेडियम से लेकर टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म तक जबरदस्त दर्शक संख्या देखने को मिलती है। हालांकि, भारत और पाकिस्तान को ज्यादा बार आमने-सामने लाने का यह प्रस्ताव अभी शुरुआती चरण में है। सितंबर में होने वाली आईसीसी की बैठक में सदस्य देशों के क्रिकेट बोर्ड इस मॉडल पर चर्चा करेंगे। इसके बाद ही तस्वीर साफ हो पाएगी कि तीन या चार देशों वाले टूर्नामेंट को भविष्य के कार्यक्रम में कितनी जगह मिलती है।

पाकिस्तान की अपने ही खोल रहे पोल

अतीक ने टीम पर साधा निशाना बोले- बहुत बुरे दौर से गुजर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज अतीक-उज-जमां पाकिस्तानी पुरुष टीम के मौजूदा हालत से बेहद दुखी हैं। अतीक का मानना है कि इंग्लैंड में जारी टेस्ट सीरीज के बीच में ही खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ में बदलाव और अफरा-तफरी के कारण टीम की हालत बहुत खराब हो गई है। लॉर्ड्स में 194 रनों की करारी हार के बाद पाकिस्तानी टीम तीन मुकाबलों की सीरीज में 0-2 से पिछड़ गई है। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने नौ सितंबर से एजबेस्टन में शुरू होने वाले आखिरी मैच से पहले सात खिलाड़ियों, मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को घर वापस भेजने का फैसला लिया।

सीमित ओवर टीम के कोच माइक हेसन और एशले नोफके ने लाल गेंद कोचिंग की जिम्मेदारी संभाल ली है, जबकि पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने चयन समिति से इस्तीफा देने के साथ लाहौर में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट का पद भी छोड़ दिया। पीसीबी के इस फैसले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। दुनिया भर के विशेषज्ञों ने इसकी कड़ी आलोचना की, खासकर इसलिए क्योंकि पाकिस्तान का प्रदर्शन सभी फॉर्मेट में तेजी से गिर रहा है।

अतीक-उज-जमां ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि खुर्रम शहजाद को क्यों हटाया गया या लीड्स टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले स्पिनर (अली उस्मान) को घर क्यों भेज दिया गया। अचानक, अब टी20 बॉलर्स को टेस्ट स्क्वाड में लाया जा रहा है। क्यों? क्योंकि माइक हेसन के कुछ पसंदीदा खिलाड़ी हैं और वे उन्हें टेस्ट क्रिकेट में ले आए। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट इस समय बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। मुझे सच में बहुत दुख होता है, क्योंकि भले ही मैं इंग्लैंड में रहता हूं, लेकिन दिल से पाकिस्तानी हूं। मैंने अपने देश के लिए खेला है और मैं चाहता हूं कि वे बेहतर करें और अलग-अलग हालात में अच्छा प्रदर्शन करें। पाकिस्तान क्रिकेट अभी अपने सबसे निचले स्तर पर है।

सरफराज-गुल को हटाने से हैरान नजर आए अतीक

अतीक सीरीज के बीच में ही सरफराज और गुल को उनकी जिम्मेदारियों से हटाने के फैसले से भी हैरान नजर आए। उन्होंने कहा, इसका कोई औचित्य नहीं है। जिन लोगों ने उन्हें चुना था, वही अब उन्हें टीम से बाहर कर रहे हैं। इसका मतलब है कि या तो आपने शुरू में ही कोई गलती की थी, या फिर आप अभी कोई गलती कर रहे हैं। सरफराज अहमद और उमर गुल पाकिस्तान क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी हैं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए वर्ल्ड कप जीते हैं। सरफराज ने अंडर-19 स्तर पर वर्ल्ड कप जीता और फिर नेशनल कप्तान के तौर पर चैंपियंस ट्रॉफी जीती। वे सम्मान के हकदार हैं। अब, मैं व्यक्तिगत रूप से उनके पाकिस्तान टेस्ट टीम के हेड कोच बनने से सहमत नहीं था, क्योंकि उनके पास पहले से कोई कोचिंग अनुभव या योग्यता नहीं है।

भारत से टक्कर को तैयार उरुग्वे, स्टार वाल्वेरडे समेत दिग्गजों की फौज घोषित

नई दिल्ली , एजेंसी

उरुग्वे ने अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। उरुग्वे ने अपनी टीम में रियल मैड्रिड क्लब के स्टार फेडेरिको वाल्वेरडे को शामिल किया है। हेड कोच डिएगो फोरलान की अगुवाई वाली दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे टीम में कई अन्य अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को भी रखा गया है। भारत और उरुग्वे के बीच मैत्री मैच 6 अक्तूबर को यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा।पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील समेत कई टीमों से अगले महीने भारत मैत्री मैच खेलेगा। उरुग्वे कटीम में रोड्रिगो बेंटानकुर, लुकास टोरेरा, जियोर्जियन डी अरास्केटा, फाकुंदो पेलिस्ट्री, मैक्सिमिलियानो अराउजो और ब्रायन रोड्रिगेज भी हैं। रक्षण रोनाल्ड अराउजो, जोस मारिया जिमेनेज, नाहितन नंडेज, गुइलेमों वारेला, मैथियास ओलिवेरा के हवाले है। भारत के खिलाफ होने वाला यह मुकाबला फीफा विश्वकप के पूर्व स्टार खिलाड़ी फोरलान के उरुग्वे के कोच के तौर पर पहला मैच होगा। फोरलान 2010 फीफा विश्वकप के गोल्डन बॉल विजेता होने के साथ ही 2011 कोपा अमेरिका चैंपियन भी हैं। उन्होंने उरुग्वे के लिए 112 मैचों में 36 गोल किए थे। कई बड़े क्लबों से जुड़े रहे फोरलान भारत में भी इंडियनन सुपर लीग में मुंबई सिटी एफसी के कोच रहे हैं।

आईएसएल सीजन 10 अक्टूबर से शुरू होगा

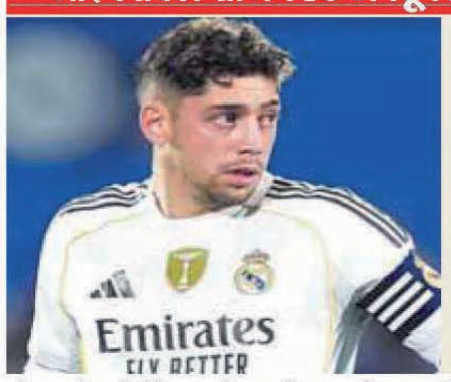

एआईएफएफ ने इंडियन सुपर लीग 2026-27 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह 10 अक्तूबर से मई, 2027 तक चलेगा। इस दौरान 163 मैचों में पारंपरिक होम एंड अवे फॉर्मेट के तहत मुकाबला होगा।

दलीप ट्रॉफी फाइनल

ईशान ने में ठोका शतक टीम इंडिया में वापसी के लिए मजबूत किया दावा

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने शानदार शतक लगाकर एक बार फिर भारतीय टेस्ट टीम के दरवाजे पर दस्तक दी है। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले के पहले दिन ईशान ने मुश्किल परिस्थितियों में कप्तानी पारी खेलते हुए नाबाद 111 रन बनाए। उनकी इस पारी की बदौलत ईस्ट जोन ने दिन का खेल खत्म होने तक 4 विकेट पर 385 रन का मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया। ईशान किशन लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। 2023 के बाद से उन्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट के फाइनल में कप्तानी करते हुए शतक लगाना उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रेड बॉल क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर ईशान चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहेंगे।

शेफाली को सेंडऑफ देकर घिरीं पाकिस्तानी कप्तान फातिमा, कमेंटेटर ने लगाई फटकार

दुबई, एजेंसी

विमेंस एशिया कप 2026 के मुकाबले में पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सेंडऑफ दिया, जो अब विवाद का विषय बन चुका है। शेफाली को 12 रनों के निजी स्कोर पर आउट करने के बाद फातिमा ने बल्लेबाज की तरफ इशारा करते हुए पवेलियन जाने का संकेत दिया। इस अंदाज पर कमेंटेटर एवं पूर्व भारतीय क्रिकेटर विवेक राजदान ने फातिमा की आलोचना की।

शेफाली वर्मा ने पारीकी पहली ही गेंद परछक्का जड़ा था। इसके बाद सिंगल लेकर उन्होंने महिला टी20 इंटरनेशनल में 3000 रन पूरे किए। इसके बाद शेफाली ने फातिमा सना की गेंद पर चौका लगाया, लेकिन पाकिस्तान की कप्तान ने वापसी की। उन्होंने कॉट एंड बोल्ड के जरिए शेफाली की पारी खत्म कर दी। विकेट लेने के बाद उनका सेंडऑफ ही मैच के सबसे चर्चित पलों में शामिल हो गया। फातिमा सना के जश्न पर विवेक राजदान ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी का हवाला देते हुए सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि पूरी पाकिस्तानी टीम सिर्फ 55 रनों पर आउट हुई और इसके बावजूद कप्तान शेफाली को बाहर जाने का इशारा कर रही थीं। राजदान ने कहा, अच्छा, बाहर का रास्ता दिखा रही हैं आप। आपकी पूरी टीम ने 55 रन बनाए हैं और आप शेफाली वर्मा को बाहर का रास्ता दिखा रही हैं।

फातिमा सना ने झटके तीन विकेट

हालांकि, गेंदबाजी में फातिमा ने पाकिस्तान की ओर से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शेफाली वर्मा के अलावा प्रतीका रावल और स्मृति मंधाना को भी पवेलियन भेजा। इसके बावजूद पाकिस्तान के बाकी गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को रोक नहीं सके। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने एक समय बिना विकेट खोए 27 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद भारतीय स्पिनर्स ने पूरी पारी का रुख बदल दिया। श्री चरणी और प्रेमा रावत ने तीन-तीन विकेट झटके। पाकिस्तान के 10 विकेट सिर्फ 28 रनों के भीतर गिर गए और टीम 55 रनों पर ऑलआउट हो गई।

लाबुशेन साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज के लिए टीम में

16 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित ; कुहनेमन और कोनोली को मौका

एजेंसी दुबई

मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म के बावजूद साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की 16 सदस्यीय टीम में बरकरार रखा गया है। तीन मैचों की सीरीज 9 अक्टूबर से शुरू होगी।

बांग्लादेश के खिलाफ जुलाई में खेली गई टेस्ट सीरीज में लाबुशेन ने 1, 31 और 4 रन की पारियां खेली थीं, जिसके बाद उनके चयन पर सवाल उठ रहे थे। हालांकि, सेलेक्टर्स ने नंबर-3 बल्लेबाज पर भरोसा कायम रखा है। टीम में मैथ्यू कुहनेमन, कूपर कोनोली और माइकल नेसर को भी शामिल किया गया है।

सीरीज की शुरुआत 9 अक्टूबर से

सीरीज का पहला टेस्ट 9 अक्टूबर से डरबन में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 18 अक्टूबर से और तीसरा 27 अक्टूबर से केप टाउन में होगा।

2023 के बाद टेस्ट में शतक नहीं ब्लगा सके लाबुशेन

लाबुशेन ने अपना पिछला टेस्ट शतक 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में लगाया था। इसके बाद से वे 43 पारियों में 24.69 की औसत से रन बना पाए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ हालिया सीरीज में भी उनका प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा।

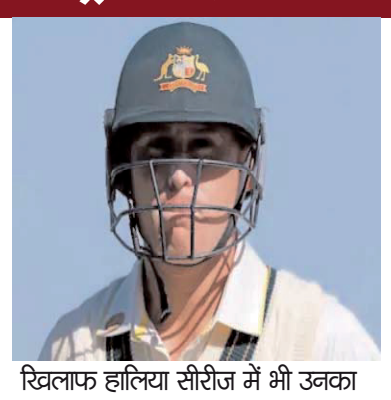

खराब फॉर्म के कारण उन्हें जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज की टीम से भी बाहर किया गया है।

कुहनेमन को मर्फी पर तरजीह

लेफ्ट आर्म स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन को नाथन लायन के साथ दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर के रूप में चुना गया है। उन्हें टॉड मर्फी पर प्राथमिकता मिली है। साउथ अफ्रीका की परिस्थितियों को देखते हुए दूसरे टेस्ट में लायन के साथ कुहनेमन को उतारने का विकल्प भी ऑस्ट्रेलिया के पास रहेगा।

149 रन के बाद कोनोली को टेस्ट टीम में जगह

23 साल के कूपर कोनोली को भी

टीम में जगह मिली है। हालिया वनडे में बांग्लादेश के खिलाफ 149 रन की पारी के बाद उनका दावा मजबूत हुआ। सेलेक्टर्स उन्हें भविष्य की योजनाओं में शामिल खिलाड़ी के तौर पर देख रहे हैं। हालांकि पीठ की समस्या के कारण उनकी गेंदबाजी पर अभी काम चल रहा है।

छह वनडे के बाद तीन टेस्ट

चीफ सेलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि छह वनडे के तुरंत बाद तीन टेस्ट की सीरीज होगी और मैचों के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए टीम में अलग-अलग परिस्थितियों के लिए संतुलन और विकल्पों को ध्यान में रखा गया है।

पेस अटैक में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के साथ स्कॉट बोलैंड और माइकल नेसर विकल्प होंगे। नेसर के लिए यह दौरा खास है, क्योंकि उनका जन्म साउथ अफ्रीका में हुआ है।

2018 के बॉल टैंपरिंग विवाद के बाद पहली बार टेस्ट दौरा

ऑस्ट्रेलियाई टीम 2018 के बॉल टैंपरिंग विवाद के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज खेलने साउथ अफ्रीका जाएगी। 2018 के उस दौरे का हिस्सा रहे खिलाड़ियों में से मौजूदा स्क्वॉड में पांच खिलाड़ी शामिल हैं। जिनमें पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, स्टीव स्मिथ और मैट रेनशॉ हैं। रेनशॉ को बॉल टैंपरिंग विवाद के बाद स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैन ॉफ्ट के स्वदेश लौटने पर आखिरी टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया था।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, माइकल नेसर, मैट रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर।

दलीप ट्रॉफी फाइनल- ईशान किशन 250 रन पर रिटायर्ड हर्ट

ईस्ट जोन का स्कोर 600 पार ; कुमार कुशाग्र की भी सेंचुरी

एजेंसी नई दिल्ली

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। वे 250 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में ईस्ट जोन ने टी-ब्रेक तक 6 विकेट पर 626 रन बना लिए हैं।

ईशान ने 270 गेंदों में डबल सेंचुरी लगाई

ईशान ने 270 गेंदों में दोहरा शतक ठोका। इस दौरान उन्होंने 26 चौके और 2 छक्के लगाए। ईशान ने 10 सालों के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ये कमाल किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2016 में रणजी ट्रॉफी में पहला दोहरा शतक लगाया था।

ये उनके फर्स्ट क्लास करियर का पहला शतक भी था। ईशान ने दिल्ली के खिलाफ 273 रनों की पारी खेली थी। ईशान किशन अबतक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10 शतक लगा चुके हैं।

ईशान थकान के कारण मैदान से बाहर गए

ईशान 250 के स्कोर पर थकान के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। 130.2 ओवर में एक रन लेने के बाद वे काफी थके हुए नजर आए, जिसके बाद फिजियो ने मैदान पर आकर उनसे बातचीत की।

कुमार कुशाग्र ने 101 रन बनाए

कुमार कुशाग्र ने ईस्ट जोन के लिए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 132 गेंदों पर 101 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। कुशाग्र 101 रन के स्कोर पर चामा मिलिंद की गेंद पर त्रिपुराना विजय के हाथों कैच आउट हुए।

वैभव सूर्यवंशी ने 44 रन बनाए

ईस्ट जोन ने रविवार को पहले दिन टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम की शुरुआत भी अच्छी रही थी। वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों पर 44 रन बनाए, जबकि अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 और शिखर मोहन ने 85 रन की पारियां खेलीं। सूर्यवंशी और ईश्वरन ने पहले विकेट के लिए 100 रन जोड़े थे। इसके बाद ईशान ने पारी को संभाला और टीम को बड़े स्कोर की ओर पहुंचाया।

सिराज को अब तक एक भी विकेट नहीं

साउथ जोन की ओर से चामा मिलिंद और त्रिपुराना विजय ने 2-2 विकेट लिए हैं। अभिमन्यु ईश्वरन रन आउट हुए। हालांकि, मोहम्मद सिराज समेत साउथ जोन के गेंदबाज ईस्ट जोन के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने में नाकाम रहे हैं। सिराज ने 17 ओवर में 109 रन दिए और उन्हें अब तक कोई विकेट नहीं मिला है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ईस्ट जोन- अभिमन्यु ईश्वरन, वैभव सूर्यवंशी, कुमार कुशाग्र, सुदीप कुमार घरामी, शिखर मोहन, ईशान किशन (विकेटकीपर/कप्तान), एमडी कौनैन कुरैशी, अनुकूल रॉय, मोहम्मद शमी, अभिजीत के सरकार, मुकेश कुमार।

साउथ जोन- रिकी भुई, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, शेख रशीद, तिलक वर्मा (कप्तान), स्मरण रविचंद्रन, श्रेयस गोपाल, त्रिपुराना विजय, मोहम्मद सिराज, चामा वी मिलिंद, एमडी निधिश।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।' नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।'

साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा : नैला ग्रेवाल

जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।' नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है। '

अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, 'राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है। ' एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग-अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल ठाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।

1984 में आई जैकी श्रॉफ-अनिल कपूर की फिल्म 'अंदर-बाहर' ने पूरे किए 42 साल

साल 1984 में रिलीज हुई एक्शन-ड्रामा फिल्म में 'अंदर-बाहर' जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर की ऑन-स्क्रीन जोड़ी की शुरुआत हुई थी, जो आगे चलकर 80 के दशक में बहुत लोकप्रिय हुई थी। सोमवार को फिल्म ने अपनी रिलीज के 42 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के 42 साल पूरे होने का जश्न मनाया। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के कुछ क्लिप शेयर किए, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'फिल्म अंदर-बाहर ने रिलीज के 42 साल पूरे कर लिए हैं।' राज एन. सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म में जैकी श्रॉफ (पुलिस इंस्पेक्टर रवि खन्ना), अनिल कपूर (राजा), डैनी डेंजोंगपा (शेरा) और मून मून सेन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर की 1984 में आई एक्शन फिल्म अंदर बाहर अमेरिकी फिल्म '48 आवर्स' की रीमेक है।

फिल्म में अनिल कपूर ने एक पुलिस अधिकारी (रवि) का किरदार निभाया है, जो एक खतरनाक सरगना (शेरा, जिसे डैनी डेंजोंगपा ने निभाया) को पकड़ना चाहता है। शेरा तक पहुंचने के लिए रवि एक कैदी (जैकी श्रॉफ) की मदद लेता है जो कभी शेरा का दाहिना हाथ हुआ करता था।

पुलिस अधिकारी अपने वरिष्ठों से अनुमति लेकर उस कैदी को सात दिनों के लिए अपने साथ जेल से बाहर लाता है ताकि वे मिलकर मुख्य अपराधी (शेरा) के गैंग का पर्दाफाश कर सकें। इसके बाद दोनों मिलकर अपराधियों का सामना करते हैं, जिसमें एक्शन, ड्रामा और दोनों अभिनेताओं के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिलता है।

फिल्म रिलीज से पहले दोनों अभिनेताओं के बीच क्रेडिट को लेकर विवाद हुआ था, जिससे फिल्म लगभग 8 महीने तक देरी से रिलीज हुई थी। साथ ही, यह फिल्म सिनेमाघरों में बीआर चोपड़ा की सफल फिल्म 'आज की आवाज' के साथ क्लैश हुई थी, जिसके कारण इसे बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता ही मिल पाई थी। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर ने पहली बार स्क्रीन साझा की थी, जो आगे चलकर 80 और 90 के दशक की एक मशहूर जोड़ी बने।

आदित्य धर ने 'हनुमान अंश' के लिए जताया समर्थन, निर्देशक विशाल चतुर्वेदी की तारीफ की

अपने समर्थन और प्रशंसा को व्यक्त करते हुए आदित्य धर ने पोस्ट के साथ '?' का प्रतीक, हाथ जोड़ने वाली इमोजी और लाल दिल की इमोजी भी साझा की है। उनका यह भावपूर्ण संदेश साफ तौर पर फिल्म और उसकी टीम के प्रति उनके सम्मान और शुभकामनाओं को दर्शा रहा है।

फिल्ममेकर आदित्य धर ने आध्यात्मिक ड्रामा 'हनुमान अंश' को अपना समर्थन देते हुए इसके निर्देशक विशाल चतुर्वेदी की सराहना की है। आदित्य ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है, जिसमें शोभिनाव सत्या नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ उन्होंने निर्देशक विशाल चतुर्वेदी को भी टैग किया है। अपने समर्थन और प्रशंसा को व्यक्त करते हुए आदित्य धर ने पोस्ट के साथ ' ?' का प्रतीक, हाथ जोड़ने वाली इमोजी और लाल दिल की इमोजी भी साझा की है। उनका यह भावपूर्ण संदेश साफ तौर पर फिल्म और उसकी टीम के प्रति उनके सम्मान और शुभकामनाओं को दर्शा रहा है। फिलहाल सोशल मीडिया पर आदित्य धर का यह पोस्ट काफी सुर्खियां बटोर रहा है। उनके फैंस 'हनुमान अंश' और निर्देशक विशाल चतुर्वेदी के लिए उनके समर्थन की सराहना कर रहे हैं। इसी के साथ फिल्म को मिल रहा यह उत्साह और उद्योग जगत से मिला समर्थन दर्शकों के बीच इसकी चर्चा को और बढ़ा रहा है।

'खतरों के खिलाड़ी'

ओरी का 'बोले चूड़ियां' मोमेंट, समय रैना के मजेदार कमेंट ने खींचा ध्यान

ओरी इस समय 'खतरों के खिलाड़ी' में अपने अंदाज से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। शो से जुड़ी उनकी लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट भी बेहद मजेदार और एंटरटेनिंग है। ओरी ने शो के एक यादगार पल का रील शेयर किया है, जिसमें वह अपने ही अनोखे अंदाज में बॉलीवुड के आइकॉनिक गाने 'बोले चूड़ियां' को गाते और एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। उनका यह अंदाज ओरी की खास एनर्जी और हर परिस्थिति को मस्ती में बदल देने की उनकी कला को बखूबी दिखाता है। हालांकि, इस रील से ज्यादा ध्यान ओरी के मजेदार कैप्शन ने खींचा है। 'खतरों के खिलाड़ी' के होस्ट और फिल्ममेकर रोहित शेट्टी को संबोधित करते हुए ओरी ने लिखा है, 'प्रिय रोहित जी, ऊपर दिए गए सबूत के आधार पर उन्हें उनके खुद के आइटम नंबर का वादा किया गया है।' वीडियो में अपने परफॉर्मेंस को 'सबूत' बताते हुए ओरी ने मजाकिया अंदाज में रोहित शेट्टी से अपने लिए एक बॉलीवुड आइटम नंबर की मांग कर डाली। यह रील 'खतरों के खिलाड़ी' में ओरी के सफर की एक और मजेदार झलक दे रही है, जहां उनका बेफिक्र अंदाज और अचानक सामने आने वाले मजेदार पल लगातार दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। शो के इस खास सिंगिंग और डांसिंग मोमेंट को सोशल मीडिया पर शेयर कर ओरी ने एक बार फिर अपने ट्रेडमार्क ह्यूमर से फैंस का मनोरंजन किया है। वहीं, उनके चुलबुले कैप्शन ने इस पूरे वीडियो में मनोरंजन का एक और तड़का लगा दिया।

कमेंट सेक्शन में भी फैंस और सेलेब्स इस मस्ती में शामिल होते नजर आए। कॉमेडियन समय रैना ने ओरी की रील पर मजेदार कमेंट करते हुए लिखा है, 'भाई अगली बार लेटेंट का कंटेस्टेंट बनकर आना।' हालांकि समय के इस मजेदार जवाब ने दोनों के बीच की सोशल मीडिया नोकझोंक को और दिलचस्प बना दिया है। ऐसे में ओरी का 'बोले चूड़ियां' मोमेंट और रोहित शेट्टी से आइटम नंबर की उनकी मजेदार डिमांड सोशल मीडिया पर एक और एंटरटेनिंग बातचीत का हिस्सा बन गई है।

इस दौरान उन्होंने किस्सा शेयर करते हुए बताया कि यह घटना तब हुई थी जब अमिताभ0 बच्चन एक बार अक्षय के मुंबई के लोखंडवाला स्थित घर पर आए थे। इस घटना को याद करते हुए अक्षय कुमार ने बताया, 'सर, आपको याद है जब आप मेरे लोखंडवाला वाले घर में आए थे, तो हाउसहैल्पर को आपको पानी देना था। तो पानी देने के लिए तीन-चार गिलास रखे थे। मुझे अच्छी तरह से याद है, सर ने कुर्ता पहना था और वो लड़का इलाहाबाद का था।

अमिताभ बच्चन को देख घबरा गया था अक्षय का हाउसहेल्पर

कुर्ते पर गिरा दिया पानी

अभिनेता अक्षय कुमार ने मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ कई फिल्मों में साथ काम किया है। अभिनेता ने मेगास्टार अमिताभ बच्चन से जुड़ा पुराना किस्सा शेयर करते हुए बताया कि अक्षय कुमार के घर में काम करने वाले ने मेगास्टार के कुर्ते पर पानी के चार गिलास गिरा दिए थे। दरअसल, अक्षय कुमार क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-20' में अपनी फिल्म 'हैवान' के को-स्टार सैफ अली खान के साथ आए थे। इस दौरान उन्होंने किस्सा शेयर करते हुए बताया कि यह घटना तब हुई थी जब अमिताभ0 बच्चन एक बार अक्षय के मुंबई के लोखंडवाला स्थित घर पर आए थे। इस घटना को याद करते हुए अक्षय कुमार ने बताया, 'सर, आपको याद है जब आप मेरे लोखंडवाला वाले घर में आए थे, तो हाउसहैल्पर को आपको पानी देना था। तो पानी देने के लिए तीन-चार गिलास रखे थे। मुझे अच्छी तरह से याद है, सर ने कुर्ता पहना था और वो लड़का इलाहाबाद का था। वो आपको देखकर, हैरान हो गया था और उसे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि वो आपको एक गिलास पानी दे रहा है, तो वो चार गिलास पानी लेकर आया और वो चारों के चारों गिलास उसने इनके कुर्ते पर गिरा दिए, क्योंकि वो देख ही नहीं पा रहा था। '

इस किस्से ने अमिताभ बच्चन, सैफ और फिल्ममेकर प्रियदर्शन, जो ऑडियंस में मौजूद थे, को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया। अक्षय ने यह भी याद किया कि कैसे अमिताभ बच्चन की हाइट की वजह से उन्हें एक्सीडेंट के बाद अपना कुर्ता उधार देना पड़ा था। अक्षय ने कहा, 'सर जाहिर तौर पर बहुत लंबे हैं, तो मुझे अपना कुर्ता देना पड़ा ताकि यह उनके शर्ट के हिसाब से आ सकें। तो मुझे अच्छी तरह याद है। उस लड़के का नाम याद नहीं आ रहा है। '

देवतालाब में बसपा ने ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, अतिवृष्टि प्रभावित परिवारों का लिया जायजा

साधना एक्सप्रेस रीवा

बहुजन समाज पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'गांव चलो अभियान' के तहत देवतालाब विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-72 में ग्राम पंचायत फरहदा के ग्राम बरहा, गाजीपुर, बंजारी मोड़ एवं नवगांव में जनसंपर्क किया गया। इस दौरान बसपा नेताओं ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं एवं स्थानीय मुद्दे सुने तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास का भरोसा दिलाया। अभियान के दौरान इंजी. जयवीर सिंह सेंगर, पूर्व वरिष्ठ सदस्य जिला पंचायत रीवा एवं प्रदेश महासचिव बसपा मध्यप्रदेश तथा सीमा जयवीर सिंह सेंगर, पूर्व प्रत्याशी एवं प्रभारी बसपा देवतालाब विधानसभा क्षेत्र-72 ने अतिवृष्टि से प्रभावित ग्रामीणों के घरों का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से नुकसान एवं समस्याओं की जानकारी लेते हुए मामले की जांच कर पात्र प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिलाए जाने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को सूचित किया।

एक साल से जला ट्रांसफार्मर लगने पर ग्रामीणों ने जताया आभार

ग्राम बरहा में पिछले करीब एक वर्ष से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को प्रयासों के बाद लगवाए जाने पर ग्रामीणों ने बसपा नेताओं का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि ट्रांसफार्मर खराब होने से लंबे समय से बिजली संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ट्रांसफार्मर स्थापित होने से ग्रामीणों को राहत मिली है।

इस दौरान सेक्टर अध्यक्ष रमेश साकेत, परमात्मा पटेल, मनीष पटेल, सत्य भान विश्वकर्मा, सरदार धोबी, श्यामलाल धोबी, प्रेमलाल धोबी, राधेश्याम साकेत, रज्जे कोल, कन्हैया लाल साकेत, राजमणि साकेत, गोरी शंकर साकेत, अजय साकेत, छोटे लाल साकेत, जगदीश साकेत, जीतलाल साकेत, मनोज साकेत, बाबूलाल प्रजापति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। बसपा नेताओं ने कहा कि 'गांव चलो अभियान' के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन की समस्याओं को सीधे सुना जा रहा है और संबंधित विभागों के माध्यम से उनके निराकरण का प्रयास किया जाएगा।

'अंशहनुमान' के बाबा नीम करौली बने शोभिनव सत्य से दिव्या सिंह की खास मुलाकात

दिव्या जी बोलती बहुत सुंदर हैं, स्वभाव भी बिल्कुल दिव्य है" — शोभिनव सत्य ने की तारीफ

» बातचीत में खुलीं साहित्य और रंगमंच से जुड़ी कई बातें

साधना एक्सप्रेस लखनऊ

फिल्म 'अंशहनुमान' में बाबा नीम करौली की भूमिका निभा रहे शोभिनव सत्य और दिव्या सिंह सिसोदिया के बीच बनी आत्मीयता इन दिनों चर्चा का विषय है। कुछ ही दिनों की मुलाकात में दोनों के बीच संवाद का ऐसा सिलसिला बना कि औपचारिक बातचीत कब मन की बातों तक पहुंच गई, पता ही नहीं चला।

शोभिनव सत्य ने श्री सिसोदिया से दिव्या सिंह के बारे में बात करते हुए कहा, दिव्या जी बोलती बहुत सुंदर हैं, स्वभाव भी बिल्कुल दिव्य है। इस पर श्री सिसोदिया ने उनकी एक और खूबी बताते हुए कहा कि दिव्या लिखती भी बहुत सुंदर हैं और पढ़ती भी खूब हैं।

बातचीत में यह भी सामने आया कि दिव्या सिंह थियेटर बहुत कम जाती हैं। करीब दस साल बाद वह शोभिनव सत्य की फिल्म देखने थियेटर पहुंचीं। टीवी देखने में भी उनकी खास रुचि नहीं है। श्री सिसोदिया ने जब उनके बारे में ये सारी बातें शोभिनव सत्य को बताईं तो मजाकिया अंदाज में कहा गया कि उनके बारे में तो सारे भेद ही खोल दिए गए।

इसी आत्मीय माहौल में शोभिनव सत्य ने दिव्या सिंह से कहा कि जाने से पहले उनकी किताबें उन्हें भेंट में जरूर चाहिए। साहित्य और किताबों के प्रति यह अनुराग दोनों के बीच संवाद का एक खूबसूरत सेतु बन गया। दिव्या सिंह का कहना है कि उनके जैसे लोगों को आमतौर पर खूब घुल-मिल जाने वाला समझा जाता है, लेकिन भीतर से वे भी अंतर्मुखी होते हैं। हम बोलते तो सभी से हैं, लेकिन मन की बातें हर किसी से नहीं करते। यही वजह है कि शोभिनव सत्य से कुछ ही दिनों की मुलाकात में जिस सहजता से मन की बातें साझा हुईं, वह अपने आप में खास है। जन्माष्टमी से शोभिनव सत्य लखनऊ में हैं और इस दौरान दोनों के बीच बातचीत, वीडियो कॉल और मुलाकातों का सिलसिला बना हुआ है। दिव्या सिंह ने शोभिनव सत्य के साथ अपनी कुछ वीडियो भी साझा की हैं, जिनमें इस आत्मीय जुड़ाव की सहज झलक दिखाई देती है। कला, साहित्य और संवेदनशीलता से जुड़े दो व्यक्तित्वों के बीच पनपी यह आत्मीयता इस बात की खूबसूरत मिसाल है कि कभी-कभी रिश्तों को गहराई देने के लिए वर्षों की पहचान नहीं, कुछ सच्ची और दिल से हुई बातचीत ही काफी होती है।

विप्र सेवा संघ करेगा श्री रामानुज संस्कृत परिषद के प्रचार-प्रसार में सहयोग

साधना एक्सप्रेस उज्जैन |

संस्कृत एवं वैदिक शिक्षा को समाज की नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से विप्र सेवा संघ ने श्री रामानुज संस्कृत परिषद, लक्ष्मण बाग के शैक्षणिक एवं प्रचार-प्रसार कार्यों में सहयोग करने की पहल की है। विप्र सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव शुक्ला ने महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन से संबद्ध श्री रामानुज संस्कृत परिषद के संस्थान निदेशक डॉ. उपेंद्र भार्गव से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुलाकात के दौरान लक्ष्मण बाग स्थित संस्कृत परिसर में संचालित संस्कृत एवं वैदिक शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों को लेकर विस्तार से जानकारी ली गई। परिसर में चारों वेद, वेदांत एवं कर्मकांड के अध्ययन की व्यवस्था के साथ ही Ph.D. शोधार्थियों के लिए आवासीय सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

विप्र सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि संस्कृत और वैदिक शिक्षा देश की प्राचीन ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण धरोहर है। इसे वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विप्र सेवा संघ द्वारा श्री रामानुज संस्कृत परिषद के संस्कृत एवं वैदिक शिक्षा से जुड़े कार्यों के प्रचार-प्रसार में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, जिससे संस्कृत एवं वैदिक शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें।

इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ. उपेंद्र भार्गव ने परिसर में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं सुविधाओं की जानकारी दी। साथ ही विप्र सेवा संघ द्वारा किए जा रहे सहयोगात्मक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।

मुश्किलें आईं, सपने टूटे भी लेकिन हार मानना नहीं सीखा

इवेंट इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाने वालीं सुरिंदर गुजराल से आशीष नेमा की खास बातचीत

साधना एक्सप्रेस रायपुर

/जबलपुर। जिंदगी में परिस्थितियां कितनी भी मुश्किल क्यों न हों, यदि इंसान अपने सपनों पर विश्वास बनाए रखे तो मंजिल तक पहुंचने का रास्ता जरूर निकलता है। कुछ ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है इवेंट इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाने वालीं सुरिंदर गुजराल की। रायपुर, छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वालीं सुरिंदर गुजराल ने पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच अपने सपनों को जिंदा रखा और संघर्ष के बाद इवेंट इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया।

वर्ष 2004 में विवाह और वर्ष 2005 में बेटे के जन्म के बाद उनकी प्राथमिकताएं बदलीं, लेकिन कुछ नया करने और अपनी पहचान बनाने की इच्छा कभी खत्म नहीं हुई। वर्ष 2011 में डांस क्लास की शुरुआत उनके जीवन में एक नई दिशा लेकर आई। डांस से सॉन्ग एवं संगीत कोरियोग्राफी और फिर इवेंट्स की दुनिया में कदम रखते हुए उन्होंने वर्ष 2015 में जबलपुर में अपना पहला बड़ा फैशन शो आयोजित किया। इस आयोजन में एक साथ तीन सेलिब्रिटीज की मौजूदगी ने उन्हें नई पहचान दिलाई।

इसके बाद सुरिंदर गुजराल ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने टीवी सीरियल और बॉलीवुड से जुड़े कई कलाकारों को जबलपुर आमंत्रित कर सफल इवेंट्स आयोजित किए। हालांकि इस सफर में उन्हें कठिन दौर का भी सामना करना पड़ा। सपना चौधरी के एक बड़े इवेंट में हुए भारी आर्थिक नुकसान ने उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से काफी प्रभावित किया। करीब एक वर्ष तक संघर्ष करने के बाद उन्होंने खुद को संभाला और दोबारा नए उत्साह के साथ काम शुरू किया।

सुरिंदर गुजराल कहती हैं कि असफलता जिंदगी का अंत नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। उन्होंने अपनी गलतियों से सीख ली और नई ऊर्जा के साथ इवेंट इंडस्ट्री में वापसी की। आज SGEVENTS सेलिब्रिटी इवेंट्स के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुका है। उनका उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि दर्शकों को ऐसा अनुभव देना है जिसे वे लंबे समय तक याद रखें।

परिवार बना सबसे बड़ी ताकत - सुरिंदर गुजराल अपने सफर में परिवार के सहयोग को सबसे बड़ी ताकत मानती हैं। उनका कहना है कि पति, परिवार और दोस्तों ने मुश्किल समय में उनका हौसला बढ़ाया। उनका मानना है कि किसी भी महिला के लिए परिवार का विश्वास और सहयोग उसके आत्मविश्वास को मजबूत करता है।

वर्ष 2026 में छह वर्षीय बेटी को गोद लेना भी उनके जीवन का बेहद भावुक और महत्वपूर्ण फैसला रहा। वह इसे अपने जीवन के सबसे खूबसूरत फैसलों में से एक मानती हैं। उनका कहना है कि अब उनकी प्राथमिकता बेटी को बेहतर भविष्य, अच्छी शिक्षा और अच्छे संस्कार देना है।

रियलिटी शो के साथ बड़े सपनों की ओर कदम - सुरिंदर गुजराल अब अपनी सफलता पर रुकना नहीं चाहतीं। वह नए और अलग कॉन्सेप्ट्स के साथ इवेंट इंडस्ट्री में आगे बढ़ने की तैयारी कर रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक रियलिटी शो की भी योजना बनाई है, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि यदि लोगों का प्यार और सहयोग मिलता रहा तो आने वाला समय नए अवसरों से भरा होगा।

युवाओं और महिलाओं को दिया सफलता का मंत्र - नई शुरुआत करने वाली महिलाओं और युवाओं के लिए सुरिंदर गुजराल का संदेश स्पष्ट है कि सपनों पर विश्वास बनाए रखें। रास्ते में असफलताएं आएंगी और परेशानियां भी होंगी, लेकिन उनसे डरकर रुकना नहीं चाहिए। अपनी गलतियों से सीखकर दोबारा प्रयास करना ही सफलता की ओर ले जाता है।

वह कहती हैं, "मेरे लिए सफलता सिर्फ बड़े सेलिब्रिटी इवेंट करना नहीं है। लगातार कुछ नया करना, लोगों को अच्छा काम देना, परिवार को खुश रखना और बच्चों का भविष्य बेहतर बनाना ही मेरे लिए असली सफलता है।"

उनका पूरा सफर इसी सोच को साबित करता है कि मुश्किल परिस्थितियां इंसान को रोक सकती हैं, लेकिन यदि हौसला मजबूत हो तो सपनों की उड़ान को नहीं रोक सकतीं। सुरिंदर गुजराल की कहानी उन महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो परिस्थितियों के कारण अपने सपनों से समझौता करने को मजबूर हो जाते हैं।

विजय सूरी राष्ट्रीय थिएटर महोत्सव में गूंजी रंगमंच की संवेदनाएं, उत्कृष्ट प्रतिभाओं को मिला सम्मान

साधना एक्सप्रेस नई दिल्ली।

भारतीय रंगमंच केवल अभिनय और मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की संवेदनाओं, विचारों और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत दस्तावेज है। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए रूबरू थिएटर एवं विजय सूरी फाउंडेशन द्वारा दिल्ली के मंडी हाउस स्थित ब्लैंक कैनवस सभागार में दो दिवसीय 8वें विजय सूरी राष्ट्रीय थिएटर महोत्सव एवं 4th नेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में देशभर से जुड़े रंगकर्मियों, साहित्यकारों, कलाकारों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं की मौजूदगी रही।

2014 में रखी गई थी रूबरू थिएटर की नींव - रूबरू थिएटर ग्रुप की स्थापना 2 सितंबर 2014 को साहित्य, संस्कृति और भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से की गई थी। स्थापना के बाद से समूह देशभर में सैकड़ों नाट्य प्रस्तुतियां कर चुका है। अपनी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से रूबरू थिएटर समाज के साथ खड़ा रहने और युवा पीढ़ी में भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। समूह की प्रस्तुतियों को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी सराहना मिली है।

विजय सूरी की स्मृति को समर्पित महोत्सव - विजय सूरी राष्ट्रीय थिएटर महोत्सव हर वर्ष बहुआयामी व्यक्तित्व विजय सूरी की स्मृति में आयोजित किया जाता है। विजय सूरी जम्मू-कश्मीर की चर्चित शख्सियतों में शामिल रहे। वे कुशल लेखक, निर्माता, निर्देशक और अभिनेता होने के साथ-साथ रेडियो की 'गोल्डन वॉइस' के रूप में भी पहचान रखते थे। रंगमंच, टेलीविजन, सिनेमा और लेखन के क्षेत्र में उनके योगदान के कारण उन्हें जम्मू-कश्मीर रंगमंच का 'भीष्म पितामह' भी कहा जाता है।

वर्ष 2016 में रूबरू थिएटर और विजय सूरी फाउंडेशन के सहयोग से जम्मू-कश्मीर एकेडमी ऑफ आर्ट, कल्चर एंड लैंग्वेजेज द्वारा जम्मू में पांच दिवसीय प्रथम विजय सूरी नेशनल थिएटर फेस्टिवल का आयोजन किया गया था।

इसके बाद यह आयोजन युवा रंगकर्मियों को मंच और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बन गया।

युवा प्रतिभाओं को मंच देने की पहल - महोत्सव का एक प्रमुख उद्देश्य युवा निर्देशकों और कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना रहा। दिल्ली में ऑडिटोरियम की अधिक फीस के कारण कई युवा रंगकर्मी अपनी प्रस्तुतियां बड़े मंचों पर नहीं कर पाते।

ऐसे में रूबरू थिएटर द्वारा आयोजित यह महोत्सव उभरती प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर साबित हो रहा है। महोत्सव में विभिन्न नाट्य समूहों ने उत्कृष्ट अभिनय और प्रयोगशील प्रस्तुतियों से दर्शकों को प्रभावित किया। खचाखच भरे सभागार में गूंजती तालियों ने प्रस्तुतियों की सफलता को बयां किया।

नेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स से उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान - रूबरू थिएटर के दस वर्ष पूरे होने के अवसर पर वर्ष 2023 में विजय सूरी राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान की नई परंपरा शुरू की गई। विजय सूरी फाउंडेशन द्वारा प्रदान किए जाने वाले इन सम्मानों का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले रचनात्मक एवं प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों को प्रोत्साहित करना है।

वर्ष 2023 में सुश्री जसकिरण चोपड़ा को थिएटर और सुश्री संजना तिवारी को साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

वर्ष 2024 में श्री विक्रम शर्मा को थिएटर एवं लेखन, श्री हिम्मत सिंह नेगी और श्री अमूल सागर को थिएटर के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मान मिला।

वर्ष 2025 में डॉ. आशीष भनोट को चिकित्सा, श्री रमन केसर को डोगरी भाषा एवं साहित्य तथा आचार्य जीतू सिंह को ज्योतिष विद्या के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

वर्ष 2026 में डॉ. दिलीप को लेखन एवं शिक्षा, डॉ. सरला मेहता को चिकित्सा तथा सुश्री निरुपमा वर्मा को मीडिया एवं थिएटर के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

रंगमंच बना संस्कृति और सृजन का सेतु

दो दिवसीय महोत्सव ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि विजय सूरी की विरासत केवल स्मृतियों तक सीमित नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को हंसी, संवेदना और विचारों से जोड़ने का काम किया। प्रस्तुतियों की गहराई, मौलिकता और कलाकारों के अभिनय को दर्शकों ने सराहा।

रूबरू थिएटर का उद्देश्य नाटकों के माध्यम से थिएटर प्रेमियों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना और विशेष रूप से युवा पीढ़ी में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि और जागरूकता पैदा करना है। विजय सूरी राष्ट्रीय थिएटर महोत्सव इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए रंगमंच को समाज की संवेदनाओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है।

एनएसडी के बैनर तले बुंदेली-हिन्दी नाटक पंचलाइट' का मंचन कल

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(ब्यूरो राजेश नीरस) कला और रंगमंच के क्षेत्र में गाडरवारा में एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। शनि मंदिर के पास स्थित एनटीपीसी ऑडिटोरियम में कल गुरुवार शाम 7 बजे से राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता आशुतोष राना के मार्गदर्शन एवं पुनीत विक्रम त्रिवेदी के निर्देशन में छात्र नाट्य 'पंचलाइट' की प्रस्तुति की जाएगी।नाटक की भाषा बुंदेली / हिन्दी है और इसकी अवधि लगभग 1 घंटा 10 मिनट की है । जिसकी प्रस्तुति

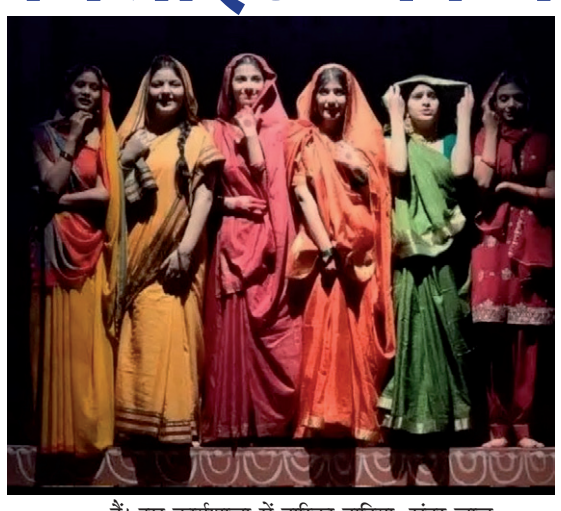

रंगसरोकार नाट्य प्रसार समिति नरसिंहपुर के दिशा निर्दर्शन में होगी । पंचलाइट हिन्दी के प्रसिद्ध कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु की कालजयी कहानी है। कहानी ग्रामीण परिवेश, अशिक्षा पर व्यंग्य और पेट्रोमैक्स की रोशनी (पंचलाइट) के इर्द-गिर्द बुने गए मानवीय रिश्तों और प्रेम की कहानी है, जिसे बुंदेली रंग में प्रस्तुत किया जाएगा।

गौरतलब हो कि नगर पालिका परिषद गाडरवारा द्वारा एनटीपीसी ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) की 30 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का संचालन किया जा रहा है, जिसमें अनेको युवा रंगकर्मी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्यशाला में द्वारिका दाहिया, सुंदर लाल छाबड़ा, आशीष गढ़वाल जैसे अनुभवी एनएसडी प्रशिक्षक प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसी कार्यशाला के समापन समारोह के रूप में आज यह छात्र नाट्य प्रस्तुति की जा रही है। इस पूरे आयोजन में एनटीपीसी गाडरवारा का विशेष सहयोग मिल रहा है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय भारत में रंगमंच की सर्वोच्च संस्था है। इसकी स्थापना 1959 में संगीत नाटक अकादमी द्वारा की गई थी और 1975 में यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था बनी। एनएसडी ने देश को दिग्गज अभिनेता दिए हैं। एनएसडी का मुख्य उद्देश्य भारत में आधुनिक रंगमंच को बढ़ावा देना और युवाओं को अभिनय, निर्देशन व रंगमंच की बारीकियों का प्रशिक्षण देना है। इसी कड़ी में छोटे शहरों में भी एनएसडी अपनी कार्यशालाएँ आयोजित करता है। कार्यशाला का समापन 10 सितंबर को प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई नाट्य प्रस्तुति पंचलाइट सार्वजनिक मंचन से होगा प्रस्तुति में प्रवेश पूर्णता निःशुल्क रहेगा । लगभग एक माह तक चले इस गहन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को अभिनय, वाणी एवं उच्चारण, शरीर की अभिव्यक्ति, चरित्र निर्माण, रंगभाषा, दृश्य-संयोजन, मंच अनुशासन तथा रंगमंच की व्यावहारिक तकनीकों का प्रशिक्षण राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। यह प्रस्तुति केवल कार्यशाला का समापन नहीं, बल्कि छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों में रंगमंच की नई चेतना का उत्सव भी है। पहली बार अनेक युवा प्रतिभागी अपने सीखे हुए कौशल को सार्वजनिक मंच पर प्रस्तुत करेंगे। आयोजन से स्थानीय

रंगकर्मियों और कला प्रेमियों में विशेष उत्साह है।

नगर पालिका अध्यक्ष पंडित - शिवाकांत मिश्रा ने नगर के सभी कला प्रेमियों, साहित्यकारों, छात्रों और नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपनी उपस्थिति देकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि गाडरवारा के लिए यह गर्व की बात है कि एनएसडी जैसी राष्ट्रीय संस्था यहाँ कार्यशाला कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698